राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार, 14 मई 2022 वर्ष–5,अंक–108 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली में झुलसाती गर्मी अभी और रुलाएगी

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने दिल्ली में चिलचिलाती गर्मी के बीच येलो अलर्ट जारी कर शुक्रवार और शनिवार को ज्यादातर इलाकों में लू चलने की चेतावनी दी है. जबकि रविवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है जिसका मतलब है कि इस दिन भीषण लू चल सकती है. चक्रवाती तूफान असानी की वजह से मौसम की तपिश में कुछ दिनों की राहत के बाद अब पारा फिर गर्म होने लगा है. राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में अधिकतम तापमान में लगातार वृद्धि होती जा रही है. दिल्ली में गर्म हवा चलने की वजह से 45 डिग्री सेल्सियस तक तापमान पहुंच गया है और मौसम विभाग ने आज शुक्रवार के लिए यहां पर येलो अलर्ट जारी कर रखा है, साथ में कल शनिवार को ज्यादातर इलाकों में लू चलने की चेतावनी भी जारी की है. राजधानी दिल्ली में लू चलने की वजह से कई इलाकों में कल गुरुवार को अधिकतम पारा 44-45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया. सफदरजंग वेधशाला में अधिकतम पारा 42.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है जो बुधवार को 41.4 डिग्री सेल्सियस था. इसमें दर्ज तापमान को राष्ट्रीय राजधानी का अधिकारिक तापमान माना जाता है. इसके अलावा, नजफगढ़ में पारा 44.7 डिग्री, मुनगेशपुर में 45.4 डिग्री और पीतमपुरा में 44 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया और ये सामान्य तापमान से कम से कम पांच डिग्री अधिक दर्ज की गई है.

दिल्ली में अगले 3 दिन बेहद भारी–भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने चिलचिलाती गर्मी के बीच येलो अलर्ट जारी कर शुक्रवार और शनिवार को ज्यादातर इलाकों में लू चलने की चेतावनी दी है. जबकि रविवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है जिसका मतलब है कि इस दिन भीषण लू चल सकती है. रविवार को सफदरजंग वेधशाला में पारा 45 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है. मौसम विशेषज्ञों ने बताया कि तापमान अलग अलग इलाकों में 46-47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है.

स्टेशन पर जाना कुलियों का हाल, ट्रेन से पहुंचे उदयपुर; चिंतन शिविर में शामिल होने राजस्थान पहुंचे राहुल गांधी का भव्य स्वागत

उदयपुर स्टेशन पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, राजस्थान प्रभारी अजय माकन, सीडब्ल्यूसी मेम्बर रघुवीर मीणा समेत तमाम नेताओं ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई की।

उदयपुर। कांग्रेस के नव संकल्प चिंतन शिविर का आगाज शुक्रवार को अल सुबह तब हो गया जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी मेवाड़ एक्सप्रेस ट्रेन से उदयपुर आ गए। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, राजस्थान प्रभारी अजय माकन, सीडब्ल्यूसी मेम्बर रघुवीर मीणा समेत तमाम नेताओं ने उनकी अगुवाई की। सुरक्षा के लिहाज से रेलवे स्टेशन के अंदर कुछ लोगों को ही जाने दिया गया। बाकी कार्यकर्ताओं को बैरिकेड लगाकर कतार में खड़ा कर दिया। इससे पहले दिल्ली से निकलते वक्त रेलवे स्टेशन पर राहुल गांधी ने कुलियों से बात की और उनकी समस्याएं जानीं।

राहुल गांधी ठीक 7:47 बजे चेतक एक्सप्रेस से उदयपुर के सिटी रेलवे स्टेशन पर उतरे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पायलट व माकन ने राहुल गांधी का फूलों का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। राहुल गांधी मुख्यमंत्री के साथ स्टेशन से बाहर आए। राहुल के साथ अन्य नेता भी थे। स्टेशन के बाहर तिरंगा झंडा लेकर खड़े कांग्रेस कार्यकर्ता राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे। राहुल व अन्य नेता एसी बस में सवार हुए और सीधे होटल अरावली ताज के लिए रवाना हो गए।

रेलवे स्टेशन पर कार्यकर्ताओं को नहीं मिली एंट्री

इससे पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भीड़ सुबह 7 बजे से ही रेलवे स्टेशन पर लग गई थी। कार्यकर्ता और पदाधिकारी किसी तरह से रेलवे स्टेशन के अंदर जाने का जुगाड़ कर रहे थे, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था इतनी चाकचौबंद थी कि प्रवेश सिर्फ निर्धारित लोगों को ही दिया गया। उदयपुर पहुंचने से पहले राहुल गांधी का हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं ने पटौदी रेलवे स्टेशन पर भव्य स्वागत किया। गांधी कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं के साथ चेतक एक्सप्रेस से शाम को दिल्ली से रवाना हुए थे और रात आठ बजे वह जब पटौदी रेलवे स्टेशन पर पहुंचे तो वहां हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने उनका जमकर स्वागत किया।

कुलियों से की बात

वहीं दिल्ली से निकलते वक्त राहुल गांधी ने रेलवे स्टेशन पर कुलियों से बातचीत की। कुलियों ने राहुल से ठेकेदारी के खिलाफ बात की। उन्होंने राहुल से सहयोग की उम्मीद जताते हुए कहा कि आज उनकी बात सुनने वाला कोई नहीं है। राहुल गांधी ने सभी कुलियों की बात ध्यान से सुनी। दिल्ली के सराय रोहिल्ला स्टेशन से राहुल गांधी उदयपुर के लिए रवाना हुए।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, राजस्थान प्रभारी अजय माकन, सीडब्ल्यूसी मेम्बर रघुवीर मीणा समेत तमाम नेताओं ने उनकी अगुवाई की। सुरक्षा के लिहाज से रेलवे स्टेशन के अंदर कुछ लोगों को ही जाने दिया गया। बाकी कार्यकर्ताओं को बैरिकेड लगाकर कतार में खड़ा कर दिया।

कोयला खदानों की विस्तार परियोजनाओं के नियमों में ढील, पर्यावरण मंत्रालय का कदम

नई दिल्ली। देश में कोयले की बढ़ती मांग व बिजली संकट के बीच केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने खनन की विस्तार परियोजनाओं के अनिवार्य नियमों में ढील दे दी है। पर्यावरणविदों ने मंत्रालय के इस फैसले की आलोचना की है, क्योंकि कोयला मंत्रालय कह रहा है कि देश में कोयले की कोई कमी नहीं है। बिजली की बढ़ती मांग के बीच कोयला संकट जारी है। इसी बीच कोयला खनन परियोजनाओं के विस्तार के लिए पर्यावरण मंत्रालय ने बड़ा फैसला किया है। संशोधित नियमों के अनुसार अब पर्यावरणीय मंजूरी (ईसी) के साथ कोयला खदानों का 40 प्रतिशत तक विस्तार किया जा सकेगा। अब बिना किसी पर्यावरणीय प्रभाव के आकलन या सार्वजनिक परामर्श के 50 प्रतिशत तक विस्तार किया जा सकेगा।

पर्यावरण मंत्रालय द्वारा 7 मई को जारी आदेश में कहा गया है कि यह फैसला कोयला मंत्रालय द्वारा देश में कोयले की घरेलू आपूर्ति कम होने को लेकर जताई गई चिंता के मद्देनजर किया गया है। आदेश में कहा गया है कि कोयला मंत्रालय के आग्रह के बाद सभी क्षेत्रों के लिए घरेलू कोयला आपूर्ति बढ़ाने के लिए यह निर्णय किया गया है। कोल ब्लॉक में मौजूद भंडार की स्थिति को देखते हुए विस्तार परियोजना को इजाजत दी जाएगी। पर्यावरण मंत्रालय ने कहा कि कोयला उत्पादन क्षमता को मूल ईसी क्षमता के 50 फीसदी तक बढ़ाने के लिए सशर्त इजाजत दी है। शर्त यह है कि खनन परियोजना का विस्तार खदान में मौजूद कोयला भंडार के अनुसार किया जा सकेगा। यह विस्तार आदेश जारी होने के बाद अगले छह माह तक के लिए वैध रहेगा। कोयला मंत्रालय ने बार-बार कहा था कि मौजूदा बिजली संकट कोयले की कमी के कारण नहीं, बल्कि राज्यों द्वारा कोल इंडिया लिमिटेड की बकाया राशि के भुगतान नहीं करने, कोयला उठाने में देरी व कमजोर योजना के कारण पैदा हुआ था।

पंजाब के स्कूल की कहानी, स्विमिंग पूल तो है लेकिन डेस्क नहीं, फर्श पर हो रही पढ़ाई

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान दिल्ली मॉडल लागू करने की बात कह चुके हैं। लेकिन कुछ विद्यालयों में छात्र बुनियादी सुविधा मिलने का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे ही हाल धोबियाना सरकारी स्कूल के हैं, जहां बच्चे मजबूर होकर जमीन पर बैठकर शिक्षा हासिल कर रहे हैं। इसकी वजह है स्कूल में पर्याप्त डेस्क नहीं होना। खबर है कि हाल ही में सीए मान ने शिक्षा स्तर सुधारने के लिए शिक्षकों और प्राचार्यों के साथ बैठक भी की थी। रिपोर्ट के अनुसार, धोबियाना सरकारी स्कूल का उद्घाटन राज्य के तत्कालीन वित्त मंत्री मनप्रीत बादल ने 7 जनवरी को किया था। विधायलय का निर्माण 1.25 करोड़ रुपये की लागत से किया गया था। इसमें केवल पूल बनाने में सरकार ने 35 लाख खर्च किए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, मौजूदा स्थिति में तो न ही पूल संचालित है और न ही स्कूल में पर्याप्त डेस्क हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रिंसिपल मोनिका ने जानकारी दी कि स्कूल मं 170 डेस्क कम हैं और मोहाली हेड ऑफिस में 200 डेस्क के लिए अनुरोध किया गया है। उन्होंने समझाया, स्कूल को प्राइमरी से सीनियर सेकेंडरी तक अपग्रेड किया जा रहा है, इस साल ज्यादा छात्रों का नामांकन किया गया था। जबकि, अभी तक हमारे पास कक्षा 8 तक के छात्र हैं।

ऐसे ही हाल धोबियाना सरकारी स्कूल के हैं, जहां बच्चे मजबूर होकर जमीन पर बैठकर शिक्षा हासिल कर रहे हैं। इसकी वजह है स्कूल में पर्याप्त डेस्क नहीं होना। खबर है कि हाल ही में सीए मान ने शिक्षा स्तर सुधारने के लिए शिक्षकों और प्राचार्यों के साथ बैठक भी की थी। रिपोर्ट के अनुसार, धोबियाना सरकारी स्कूल का उद्घाटन राज्य के तत्कालीन वित्त मंत्री मनप्रीत बादल ने 7 जनवरी को किया था।

छात्रों को नीट की निशुल्क कोचिंग

शिक्षाविद् प्रोफेसर पीके गोसाई का कहना है, मुख्यमंत्री ट्रेनिंग के लिए शिक्षकों को विदेश भेजने की बात कर रहे हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि अधिकांश सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कमी है। सरकार को अपनी प्राथमिकताएं तय करनी चाहिए।

कश्मीर में टारगेट किलिंग

पुलवामा में पुलिसकर्मी को आतंकियों ने मारी गोली, 15 घंटे के भीतर दूसरी वारदात

श्रीनगर। घाटी में टारगेट किलिंग की दूसरी घटना सामने आई है। पुलवामा के गुदूरा इलाके में आतंकियों ने पुलिसकर्मी को गोली मार दी है। इसमें वह गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। इससे पहले बडगाम में कश्मीरी पंडित कर्मचारी राहुल भट्ट को गोली मार दी गई थी। इसमें उनकी मौत हो गई थी।

कश्मीर में आतंकियों ने 15 घंटे के भीतर टारगेट किलिंग की दूसरी घटना को अंजाम दिया है। पुलवामा में शुक्रवार सुबह दहशतगर्दों ने घर में घुसकर पुलिसकर्मी को गोली मार दी। इसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया है।

स्थानीय पुलिस अधिकारी ने बताया कि रियाज अहमद ठोकर अपने घर गुदूरा में मौजूद थे। इस बीच कुछ आतंकियों ने उन पर फायरिंग कर दी। इसमें वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। तुरंत

ही उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

आतंकवादियों की तलाश में सुरक्षाबलों ने अभियान शुरू कर दिया है। इससे पहले बडगाम में गुरुवार शाम को दफ्तर में घुसकर कश्मीरी पंडित कर्मचारी राहुल भट्ट की हत्या कर दी थी।

घरेलू हिंसा कानून को लेकर सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी, कहा– महिला का साझा घर में रहने का अधिकार वैवाहिक घर तक सीमित नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने घरेलू हिंसा की शिकार महिला के हित को सुरक्षित रखने के संबंध में गुरुवार को एक अहम फैसला सुनाया। 'साझा घर में रहने का अधिकार' शब्द की व्यापक व्याख्या करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि इसे केवल वास्तविक वैवाहिक निवास तक ही सीमित नहीं रखा जा सकता है, बल्कि संपत्ति पर अधिकार की परवाह किए बिना इसे अन्य घरों तक बढ़ाया जा सकता है।

जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस बीवी नागरत्ना की पीठ ने उत्तराखंड की एक विधवा की याचिका पर यह फैसला दिया। शीर्ष अदालत ने नैनीताल हाई कोर्ट के फैसले को रद कर दिया। हाई कोर्ट ने निचली अदालत के उस फैसले को बरकरार रखा था, जिसमें याचिकाकर्ता को घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण

अधिनियम के तहत राहत देने से इन्कार कर दिया गया था। निचली अदालत ने कहा था कि संरक्षण अधिकारी द्वारा महिला के साथ घरेलू हिंसा की कोई रिपोर्ट नहीं दी गई है।

पीठ ने कहा कि कई हालात और परिस्थितियां हो सकती हैं और घरेलू रिश्ते में रहने वाली हर महिला साझा घर में रहने के अपने अधिकार को लागू कर सकती है, भले ही उसका साझा घर पर कोई अधिकार या लाभकारी हित न हो। उपरोक्त प्रविधान के तहत किसी भी महिला द्वारा उक्त अधिकार को स्वतंत्र अधिकार के रूप में भी लागू किया जा सकता है। पीठ की तरफ से 79 पेज का फैसला लिखते हुए जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि अगर उपरोक्त अधिनियम के तहत एक संरक्षण अधिकारी की घरेलू हिंसा की रिपोर्ट नहीं भी हो तो भी पीड़ित महिला के साझा वैवाहिक घर में रहने के अधिकार को लागू किया जा सकता है। पीठ ने कहा कि भारतीय सामाजिक व्यवस्था में यह आदर्श स्थिति है कि शादी के महिला अपने पति के साथ रहती है। किसी उचित कारण से वह अपने वैवाहिक साझा घर में नहीं भी रहती है तब भी उसे अपने पति के घर में रहने का अधिकार है। इसमें वह घर भी आता है जिसमें उसके पति के परिवार के सदस्य रहते हैं, भले ही वह किसी अन्य स्थान पर ही क्यों न हो।

आयुष मंत्रालय और FSSAI ने 'आयुर्वेद आहार' उत्पादों के लिए तैयार किए नियम

नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय और भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने 'आयुर्वेद आहार' श्रेणी के तहत खाद्य उत्पादों के लिए सुरक्षा और गुणवत्ता मानकों के नियम तैयार किए हैं। आयुष मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार कोरोना महामारी के बाद बाजार में आयुर्वेदिक दवा के नाम से आयुर्वेदिक आहार उत्पादों की बाढ़ सी आ गई है। देशी और विदेशी हजारों कंपनियां आयुर्वेद उत्पाद के नाम पर बिना किसी लाइसेंस के सामान बाजार में बेच रही हैं। आयुर्वेदिक उत्पाद होने के कारण इसका कोई स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़ने की वजह से लोग इसके सेवन से गुरेज नहीं कर रहे हैं। स्पष्ट नियमावली नहीं होने के कारण इनमें खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। इसीलिए एफएसएसएआइ ने आयुर्वेदिक आहार की नई श्रेणी बनाते हुए उसके उत्पादों को प्रमाणित करने के लिए नई नियमावली बनाई है।

आयुष मंत्रालय ने किया आयुर्वेद उत्पादों के लिए नियम तैयार

आयुष मंत्रालय के अनुसार, यह व्यापक पहल गुणवत्ता वाले आयुर्वेद खाद्य उत्पादों के निर्माण को सुनिश्चित करेगी और मेक-इन-इंडिया उत्पादों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार के विस्तार में मदद करेगी। मंत्रालय ने आगे कहा कि उसे विश्वास है कि ये नियम आयुष प्रणाली के संरक्षक के रूप में भारत की वैश्विक स्थिति को और मजबूत करेंगे। मंत्रालय ने कहा कि विनियमन के अनुसार, 'आयुर्वेद आहार' उत्पादों का मैन्युफैक्चरिंग और मार्केटिंग अब सख्त खाद्य सुरक्षा और मानक (आयुर्वेद आहार) विनियम, 2022 नियमों का पालन करेगा और एफएसएसएआई से अनुमति के बाद ही बाजार में उपलब्ध होगा।

आयुष मंत्रालय के प्रेस रिलीज़ में कहा गया है 'आयुर्वेद आहार' श्रेणी के लिए एक विशेष लोगो बनाया गया है, जो आयुर्वेद खाद्य

उत्पादों की आसान पहचान और गुणवत्ता को सुदृढ़ करेगा।' नियमों में कहा गया है कि आयुर्वेद की आधिकारिक पुस्तकों में वर्णित व्यंजनों, अवयवों और प्रक्रियाओं के अनुसार तैयार किए गए सभी भोजन को 'आयुर्वेद आहार'माना जाएगा।

कोरोना के बाद सुरक्षा पर विशेष ध्यान

आयुष मंत्रालय इस कदम से यह सुनिश्चित करता है कि हम जो भोजन ग्रहण करते हैं वह सुरक्षित और स्वस्थ है, यह निर्माताओं और उपभोक्ताओं दोनों की जिम्मेदारी है। कोविड-19 के पुनरुत्थान के बाद से भोजन, पोषण, स्वास्थ्य और इम्युनिटी पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

आयुर्वेद आहार की लेबलिंग पर होगी सभी जानकारी

'आयुर्वेद आहार' की लेबलिंग में इसके सभी उपेक्षित उद्देश्य, लक्षित उपभोक्ता समूह और इसका कबतक उपयोग कर सकते हैं यह निर्देश दिया जाएगा। 'आयुर्वेद आहार' की विभिन्न श्रेणियों के लिए अनुमति प्रक्रिया और उनके स्वास्थ्य दावों को नियमों के अनुसार होना चाहिए। हालांकि, 'आयुर्वेद आहार' में आयुर्वेदिक दवाएं, मालिकाना आयुर्वेदिक दवाएं और औषधीय उत्पाद, सौंदर्य प्रसाधन, मादक या मनोदैहिक पदार्थ और जड़ी-बूटियां शामिल नहीं होंगी। इसके अतिरिक्त, दो साल से कम उम्र के बच्चों के लिए आयुर्वेद आहार की सिफारिश नहीं की जाती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

सज्जन पुरुष बादलों के समान देने के लिए ही कोई वस्तु ग्रहण करते हैं। - कालिदास

संपादकीय

नाटो का विस्तार और भारत

'नाटो' नामक सैन्य संगठन में अब यूरोप के दो नए देश भी जुड़नेवाले हैं। ये हैं- फिनलैंड और स्वीडन। इस तरह 1949 में अमेरिका की पहल पर बने 15 देशों के इस संगठन के अब 32 सदस्य हो जाएंगे। यूरोप के लगभग सभी महत्वपूर्ण देश इस सैन्य संगठन में एक के बाद एक शामिल होते गए, क्योंकि शीतयुद्ध के जमाने में उन्हें सोवियत संघ से अपनी सुरक्षा चाहिए थी और सोवियत संघ के खत्म होने के बाद उन्हें स्वयं को संपन्न करना था। फिनलैंड, स्वीडन और स्विटजरलैंड जान-बूझकर सैनिक गुटबंदियों से अलग रहे लेकिन यूक्रेन पर हुए रूसी हमले ने इन देशों में भी बड़ा डर पैदा कर दिया है। फिनलैंड तो इसलिए भी डर गया है कि वह रूस की उत्तरी सीमा पर अवस्थित है। रूस के साथ उसकी सीमा 1340 किमी की है, जो नाटो देशों से दुगुनी है। फिनलैंड पर हमला करना रूस के लिए यूक्रेन से भी ज्यादा आसान है। यूक्रेन की तरह फिनलैंड भी रूसी साम्राज्य का हिस्सा रहा है। सेंट पीटर्सबर्ग से मास्को जितनी दूर है, उससे भी कम दूरी (400 किमी) पर फिनलैंड है। द्वितीय महायुद्ध के बाद फिनलैंड तटस्थ हो गया लेकिन स्वीडन तो पिछले 200 साल से किसी भी सैन्य गठबंधन में शामिल नहीं हुआ। अब ये दोनों देश नाटो में शामिल होना चाहते हैं, यह रूस के लिए बड़ा धक्का है। उधर दक्षिण कोरिया भी चौगुटे (क्वाड) में शामिल होना चाह रहा है। ये घटनाएं संकेत दे रही हैं— नई वैश्विक गुटबाजी के! रूस और चीन मिलकर अमेरिका को टक्कर देना चाहते हैं और अमेरिका उनके विरूद्ध सारी दुनिया को अपनी छतरी के नीचे लाना चाहता है। यदि फिनलैंड और स्वीडन नाटो की सदस्यता के लिए अर्जी डालेंगे तो भी उन्हें सदस्यता मिलने में साल भर लग सकता है, क्योंकि सभी 30 देशों की सर्वानुमति जरुरी है। नाटो के महासचिव ने इन दोनों देशों का स्वागत किया है लेकिन मास्को ने काफी सख्त प्रतिक्रिया दी है। रूसी प्रवक्ता ने कहा है कि नाटो का यह विस्तार रूसी सुरक्षा के लिए सीधा खतरा है। रूस चुप नहीं बैठेगा। वह जवाबी कार्रवाई करेगा। वह फौजी, तकनीकी और आर्थिक कदम भी उठाएगा। रूस ने धमकी दी है कि वह फिनलैंड को गैस की सप्लाय बंद कर देगा। वह बाल्टिक समुद्र के तट पर परमाणु प्रक्षेपास्त्र तैनात करने की भी तैयारी करेगा। इन सब धमकियों को सुनने के बावजूद इन देशों की जनता का रूझान नाटो की तरफ बढ़ रहा है। इनकी 70-80 प्रतिशत जनता नाटो की सदस्यता के पक्ष में है, क्योंकि नाटो चार्टर की धारा 5 कहती है कि नाटो के किसी एक सदस्य पर किए गए हमले को सभी तीसों सदस्यों पर हमला माना जाएगा। यदि यूक्रेन नाटो का सदस्य होता तो रूस की हिम्मत ही नहीं होती कि वह उस पर हमला करे। यूक्रेन की फजीहत इसीलिए हो रही है कि वह नाटो का सदस्य नहीं है। ऐसा लगता है कि अब विश्व राजनीति फिर से दो गुटों में बंटनेवाली है। यह खेल ज़रा लंबा चलेगा। भारत को अपने कदम फूंक-फूंककर रखने होंगे। भारतीय विदेश नीति को अपना ध्यान दक्षिण और मध्य एशिया के पड़ौसी देशों पर केंद्रित करना होगा। इन देशों को गुटीय राजनीति में फिसलने से बचाना भारत का लक्ष्य होना चाहिए।

(लेखक, भारतीय विदेश नीति परिषद के अध्यक्ष हैं)
डॉ. वेदप्रताप वैदिक,

आज के कार्टून

परिवार निर्माण

श्रीराम शर्मा आचार्य

परिवार को अपनी विशिष्टताओं को उभारने का अभ्यास करने एवं परिपुष्ट बनाने की प्रयोगशाला, पाठशाला समझें। इस उद्यान में सत्प्रवृत्तियों के पौधे लगाएं। हर सदस्य को स्वावलंबी सुसंस्कारी एवं समाजनिष्ठ बनाने का भरसक प्रयत्न करें। इसके लिए सर्वप्रथम ढालने वाले सांचे की तरह आदर्शवान बनें ताकि स्वयं की कथनी-करनी की एकता का प्रभाव पड़े। स्मरण रहे सांचे के अनुसार ही खिलौने ढलते हैं। पारिवारिक उत्तरदायित्व में सर्वप्रथम है संचालक का आदर्शवादी ढांचे में ढलना। दूसरा है माली की तरह हरे पौधे को शालीनता के क्षेत्र में विकसित करना। संयम और सज्जनता एक तथ्य के दो नाम हैं। भोजन सात्विक बने और नियत समय पर सीमित मात्रा में खाने का ही अभ्यास बने। कामुकता को उत्तेजना न मिले, सभी की दिनचर्या निर्धारित रहे। किसी को आलस्य-प्रमाद की आदत न पड़ने दी जाए और न कोई आवारागर्दी अपनाए व कुसंग में फिरे। फैशन और जेवर को बचकाना, उपहासास्पद माना जाए, केश विन्यास और अश्लील, उत्तेजक पोशाक कोई न पहने और न जेवर-आभूषणों से लदे। नाक, कान छेदने और उनके चित्र-विचित्र लटकन लटकाने का पिछड़ेपन का प्रतीत फैशन कोई महिला न अपनाए। पारिवारिक पंचशीलों में श्रमशीलता, मितव्ययिता, सुव्यवस्था, शालीन शिष्टता और उदार सहकारिता की गणना की गई है। इन पांच गुणों के लिए उपदेश देने से काम नहीं चलता। ऐसे व्यावहारिक कार्यक्रम बनाने पड़ते हैं, जिन्हें करते रहने से वे सिद्धांत व्यवहार में उतरें। उत्तराधिकार का लालच किसी के मस्तिष्क में नहीं जमने देना चाहिए, वरन हर सदस्य के मन में यह सिद्धांत जमना चाहिए कि परिवार की संयुक्त संपदा में उसका भरण-पोषण, शिक्षण एवं स्वावलंबन संभव हुआ है। इस ऋण को चुकाने में ही ईमानदारी है। कमाऊ होते ही आमदनी जेब में रखना और पत्नी को लेकर मनमाना खर्च करने के लिए अलग हो जाना प्रत्यक्ष बेईमानी है। उत्तराधिकार का कानून मात्र कमाने में असमथरे के लिए लागू होना चाहिए, न कि स्वावलंबियों की मुफ्त की कमाई लूट लेने के लिए। अध्यात्मवाद और साम्यवाद, दोनों ही इस मत के हैं कि पूर्वजों की छोड़ी कमाई को असमर्थ आश्रित ही तब तक उपयोग करें जब तक कि वे स्वावलंबी नहीं बन जाते।

विज्ञान और धर्म अलग नहीं, बल्कि एक ही सिक्के के दो पहलू हैं!

(लेखक - डॉ. जगदीश गाँधी)

विज्ञान व धर्म मिलकर समाज की बेहतर सेवा कर सकते हैं। विज्ञान और धर्म अलग नहीं, बल्कि एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। यह धारणा गलत है कि विज्ञान व धर्म साथ-साथ नहीं चल सकते हैं। विज्ञान प्रत्यक्षवाद और धर्म परोक्षवाद पर विश्वास करता है। प्रत्यक्ष व परोक्ष मिलकर एक होते हैं। दुर्भाग्य यह है कि वैज्ञानिकों को धर्म व धर्म से जुड़े लोगों को विज्ञान की जानकारी नहीं है। ऐसे में दोनों को मिलाने की जरूरत है। विज्ञान जड़ पदार्थों से जुड़ा है और धर्म चेतन जगत से संबंध रखता है। पहले धर्म का उद्देश्य मानव समाज को जोड़ना था लेकिन आज इसे समाज को तोड़ने का हथियार बना दिया गया है। विज्ञान और धर्म दोनों ही मनुष्य के जीवन को समान रूप से प्रभावित करते हैं। एक और जहाँ विज्ञान तथ्यों व प्रयोगों पर आधारित है वहीं दूसरी और धर्म आस्था और विश्वास पर। दोनों ही मनुष्य की अपार शक्ति का स्त्रोत हैं। मनुष्य कभी उड़ते हुए पक्षियों की उड़ान को देखकर परिकल्पना किया करता था कि क्या वह भी इन पक्षियों की भाँति उड़ान भर सकता है। उसकी यह परिकल्पना ही अनेक प्रयोगों का आधार थी। आज अंतरिक्ष की ऊँचाई को नापते हुए वायुयान उन्हीं परिकल्पनाओं का प्रतिफल हैं। इस प्रकार विज्ञान स्वयं में अनंत शक्तियों का भंडार है। विज्ञान के अंतर्गत वह अपनी कल्पनाओं को अपने प्रयोगों के माध्यम से साकार रूप देता है। वह प्रकृति में छिपे गूढ़तम रहस्यों को ढूँढ़ निकालता है। एक रहस्य के उजागर होने पर वह दूसरे रहस्य को खोलने व उसे जानने हेतु प्रयत्नशील हो जाता है। धर्म भी विज्ञान की ही भाँति अनंत शक्तियों का स्रोत है परंतु धर्म प्रयोगों व तथ्यों पर नहीं अपितु अनुभवों, विश्वासों व आस्थाओं पर आधारित है। मनुष्य की धार्मिक आस्था उसे आत्मबल प्रदान करती है। मनुष्य की समस्त धार्मिक मान्यताएँ किसी अज्ञात शक्ति पर केंद्रित रहती हैं। इस शक्ति का आधार मनुष्य की आस्था व विश्वास होता है। धर्म मनुष्य के चारित्रिक विकास में सहायक होता है। धर्म के मार्ग पर चलकर वह उन समस्त जीवन मूल्यों को आत्मसात् करता है जो उसके चारित्रिक विकास में सहायक होते हैं। सद्गुणों को अपनाना अथवा सन्मार्ग पर चलना ही धर्म है। वे सभी सत्य जो मानवता के विरूद्ध हैं वे अधर्म हैं। दूसरों का हित करने से बड़ा कोई धर्म नहीं है तथा दूसरों का अहित करने से बड़ा कोई अधर्म नहीं है। इस प्रकार हम देखते हैं कि अनेक रूपों में विज्ञान धर्म का ही एक रूप है। धर्म और विज्ञान दोनों के परस्पर समान गुणों के कारण ही एक-दूसरे का पूरक माना गया है। विज्ञान और धर्म दोनों ही मनुष्य की असीमित शक्ति का स्रोत हैं। विज्ञान जहाँ मनुष्य को भौतिक गुण प्रदान करता है वहीं धर्म उसे आत्मिक सुख की ओर ले जाता है। दोनों के परस्पर समन्वय से ही मनुष्य पूर्ण आत्मिक सुख, सफलता तथा समृद्धि की प्राप्ति कर सकता है। धर्मरहित विज्ञान मनुष्य को सुख तो प्रदान कर सकता है परंतु यह उसे कभी-कभी विनाश के कगार पर भी ला खड़ा करता है। विज्ञान के वरदान से जहाँ मनुष्य चंद्रमा पर अपनी विजय पताका फहरा चुका है वहीं दूसरी ओर उसने परमाणु बम जैसे हथियार विकसित कर लिए हैं जिसने उसे विनाश के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। धर्म और विज्ञान का समन्वय ही मानवमात्र में संतुलन स्थापित कर सकता है, उसे पतन की ओर जाने से रोक सकता है। यह समन्वय आज की प्रमुख आवश्यकता है । धर्म प्रायः मनुष्य की आस्था व विश्वास पर आधारित है परंतु यह भी सत्य है कि कभी-कभी हमारी आस्थाएँ निराधार होती हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार लोग चंद्रमा को ईश्वर का रूप मानते थे परंतु विज्ञान ने सिद्ध कर दिया है कि यह मिथ्या है। चंद्रमा, पृथ्वी की भांति ही है। यह एक उपग्रह है। इस प्रकार हमारी धार्मिक मान्यताएँ समय-समय पर विज्ञान के द्वारा खंडित होती रही हैं। विज्ञान के प्रयोगों व नित नए अनुसंधानों ने प्रकृति के अनेक गूढ़ रहस्यों को उजागर किया है परंतु अभी भी ऐसे अनगिनत रहस्य हैं जो विज्ञान की परिधि से बाहर हैं। विज्ञान भी इस बात की पुष्टि करता है कि एक ऐसी परम शक्ति अवश्य है जो समस्त शक्तियों का केंद्र है। अतः जब मनुष्य के लिए सारे रास्ते बंद हो जाते हैं तब वह उन परम शक्तियों का स्मरण करता है। अतः यह सत्य है कि विज्ञान और धर्म का परस्पर समन्वय ही उसे प्रगति के उत्कर्ष तक ले जा सकता है। जब विज्ञान का सहारा लेकर मनुष्य कुमार्ग पर चल पड़ता है तब धर्म का संबल प्राप्त करना अनिवार्य हो जाता है। धर्म इस स्थिति में मनुष्य का तारणहार बन जाता है। दूसरी ओर जब धर्म की छत्रछाया में अधार्मिक व्यक्तियों का समूह आम लोगों को ठगने का प्रयास करते हैं तब विज्ञान का आलोक उन्हें सीधे रास्ते पर लाने की चेष्टा करता है। बच्चों की शिक्षा के द्वारा हम बालक का वैज्ञानिक, मानवीय तथा विश्वव्यापी दृष्टिकोण विकसित कर रहे हैं। बच्चों को बाल्यावस्था से ही घर में माता-पिता तथा स्कूल में टीचर्स द्वारा बताना चाहिए कि ईश्वर एक है, उसका धर्म एक है तथा सारी मानव जाति एक है। मानव जाति के पास मानव सभ्यता का जो इतिहास उपलब्ध है उसके अनुसार परमपिता परमात्मा की ओर से युग-युग में भेजे गये महान अवतारों राम (7500 वर्ष पूर्व), कृष्ण (5000 वर्ष पूर्व), बुद्ध (2500 वर्ष पूर्व), ईसा मसीह (2000 वर्ष पूर्व), मोहम्मद साहब (1400 वर्ष पूर्व), गुरू नानक देव (500 वर्ष पूर्व) तथा बहाउल्लाह (200 वर्ष पूर्व) धरती पर अवतरित हुए हैं। स्कूलों के माध्यम से संसार के प्रत्येक बालक को राम की मर्यादा, कृष्ण की न्याय, बुद्ध की सम्यक ज्ञान, ईशु की करूणा, मोहम्मद साहेब की भाईचारा, गुरू नानक की त्याग और बहाल्लाह की हृदय की एकता की शिक्षाओं का ज्ञान कराया जाना चाहिए। एक ही परमपिता परमात्मा की ओर से युग-युग में अपने संदेशवाहकों के द्वारा भेजे गये पवित्र ग्रन्थों- गीता, त्रिपटक, बाईबिल, कुरान शरीफ़ गुरू ग्रन्थ साहिब, किताबे अकदस में संकलित परमात्मा की एक जैसी मूल शिक्षाओं का ज्ञान प्रत्येक बालक को स्कूल के माध्यम से कराया जाना चाहिए तथा परमात्मा की शिक्षाओं को जानकर उसके अनुसार अपना जीवन जीना चाहिए। आज आधुनिक विद्यालयों के द्वारा बच्चों को एकांकी शिक्षा अर्थात केवल भौतिक शिक्षा ही दी जा रही है, जबकि मनुष्य की तीन वास्तविकतायें होती हैं। पहला- मनुष्य एक भौतिक प्राणी है, दूसरा- मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है तथा तीसरा मनुष्य- एक आध्यात्मिक प्राणी है। इस प्रकार मनुष्य के जीवन में भौतिकता, सामाजिकता तथा आध्यात्मिकता का संतुलन जरूरी है। सीएमएस में प्रत्येक बालक की तीनों वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए भौतिक, सामाजिक तथा आध्यात्मिक तीनों प्रकार की संतुलित शिक्षा देने के लिए 2000 से अधिक टीचर्स तथा 1000 से अधिक सहयोगी कार्यकर्ता पूरे मनोयोग तथा समर्पित भाव से रात-दिन संलग्न हैं। सीएमएस का 63 वर्षों के व्यापक शैक्षिक अनुभव के आधार पर मानना है कि मनुष्य की ओर से सर्वशक्तिमान परमेश्वर को अर्पित की जाने वाली समस्त सम्भव सेवाओं में से सर्वाधिक महान सेवा है- (अ) बच्चों की शिक्षा, (ब) उनके चरित्र का निर्माण तथा (स) उनके हृदय में परमात्मा के प्रति अटूट प्रेम उत्पन्न करना। युद्ध के विचार सबसे पहले मनुष्य के मस्तिष्क में पैदा होते हैं अतः दुनियाँ से युद्धों को समाप्त करने के लिये मनुष्य के मस्तिष्क में ही शान्ति के विचार उत्पन्न करने होंगे। शान्ति के विचार देने के लिए मनुष्य की सबसे श्रेष्ठ अवस्था बचपन है। स्कूल चार दीवारों वाला एक ऐसा भवन है जिसमें कल का भविष्य छिपा है। मनुष्य तथा मानव जाति का भाग्य क्लास रूम में गढ़ा जाता है। शिक्षकों को पूरे मनोयोग से विद्यालय को लघु विश्व का मॉडल तथा बच्चों को विश्व नागरिक बनाना चाहिए। चरित्र निर्माण एवं विश्व एकता की शिक्षा इस युग की सबसे बड़ी आवश्यकता है! अभिभावकों को भी विद्यालय में मिल रहे इन विचारों के अनुकूल घरों में ये विचार अपने बच्चों को बाल्यावस्था से देना चाहिए। विद्यालय तथा घर ही सबसे बड़े तीर्थधाम हैं। पारिवारिक एकता के द्वारा विश्व एकता की शिक्षा इस युग की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

-------- वसुधैव कुटुम्बकम् - जय जगत----------

मानवीय नजरिये से रिहाई की जरूरत

विचाराधीन कैदी/ अनूप भटनागर

जेलों में बंद कैदियों को संविधान के अनुच्छेद 21 में प्रदत्त मौलिक अधिकार के तहत गरिमा के साथ जीने का अधिकार है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है। जेलों में उनकी क्षमता से कहीं ज्यादा कैदी बंद हैं, जिनमें विचाराधीन कैदियों की संख्या बहुत ज्यादा है। जेलों में विचाराधीन कैदियों की बड़ी संख्या के कारणों में अधीनस्थ अदालतों में न्यायाधीशों के पद रिक्त होना और सुनवाई के लिए तारीख पर तारीख पड़ना भी शामिल है। जेलों में विचाराधीन कैदियों की संख्या कम करने के लिए जरूरी है कि इनके मुकदमों की सुनवाई कम से कम स्थगित हो। जेलों में बंद विचाराधीन कैदियों में अधिकांश कैदी कथित अपराध के लिए कानून में निर्धारित सजा की अवधि से आधे से ज्यादा समय जेल में बिता चुके हैं। केंद्र और शीर्ष अदालत चाहती है कि छोटे-मोटे अपराध के आरोप में बंद इन विचाराधीन कैदियों को जमानत या निजी मुचलके पर रिहा करने के अभियान को गति देकर जेलों में क्षमता से ज्यादा कैदी होने का दबाव कम किया जाए। लेकिन इसमें अपेक्षित सफलता नहीं मिल पा रही है। स्थिति यह है कि विभिन्न अपराधों के लिए दोषी ठहराये गए कैदियों की तुलना में विचाराधीन कैदियों की संख्या निरंतर बढ़ रही है।देश भर की जेलों के 31 दिसंबर, 2020 के आंकड़ों के अनुसार कुल बंद कैदियों की संख्या 4,88,511 थी, जिनमें 3,71,848 विचाराधीन कैदी थे। इन विचाराधीन कैदियों में अधिकांश गरीब या सामान्य परिवारों के हैं और वे कथित अपराध के आरोप में मिलने वाली संभावित सजा की अवधि से आधे से ज्यादा समय जेल में गुजार चुके हैं। दरअसल, साल-दर-साल इनकी संख्या बढ़ रही है। जेलों में साल 2018 में विचाराधीन कैदियों की संख्या 3,24,141 थी जो 2019 में बढ़कर 3,32,916 और 31 दिसंबर, 2020 को 3,71,848 पहुंच गई थी। विचाराधीन कैदियों की रिहाई का मसला अक्सर उठता रहता है और इस बार तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इनकी समस्याओं को मुख्यमंत्रियों और उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के समक्ष रखा। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रत्येक जिले में जिला न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक समिति होती है ताकि विचाराधीन कैदियों के मामलों की समीक्षा की जा सके और यथासंभव उन्हें जमानत पर रिहा किया जा सके। उन्होंने विचाराधीन कैदियों से संबंधित मामलों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया और कहा कि ऐसे कैदियों को कानून के तहत मानवीय संवेदनाओं के आधार पर रिहा किया जाना चाहिए। ऐसे कैदियों की रिहाई की दिशा में 2010 में तत्कालीन कानून मंत्री वीरप्पा मोइली ने पहल की थी और उन्हें ढाई लाख से भी ज्यादा विचाराधीन कैदियों को निजी मुचलके या जमानत पर रिहा कराने में सफलता मिली थी। इसके बावजूद जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों की स्थिति में कोई विशेष बदलाव नहीं हुआ था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उच्चतम न्यायालय ने भी सितंबर, 2014 में ऐसे विचाराधीन कैदियों की रिहाई के बारे में उच्च न्यायालयों को विस्तृत निर्देश दिये थे। केंद्र सरकार भी विभिन्न अपराधों के आरोप में लंबे समय से जेल में बंद उन विचाराधीन कैदियों की रिहाई के पक्ष में रही है जो अपने कथित अपराध के लिए कानून में निर्धारित सजा की आधी से ज्यादा अवधि जेल में बिता चुके हैं। वैसे दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 436-ए में पहले से ही प्रावधान है कि यदि कोई कैदी उसे मिलने वाली संभावित सजा की आधे से ज्यादा अवधि जेल में बिता चुका है तो उसे जमानतदार पेश करने या सिर्फ मुचलके पर ही रिहा किया जा सकता है। लेकिन यह उन मामलों में लागू नहीं होता है जिसमें आरोपी को उसके अपराध के लिए मृत्यु दंड मिल सकता है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए शीर्ष अदालत ने विचाराधीन कैदियों की समीक्षा के लिए गठित जिला स्तर की समिति को हर तीन महीने में बैठक करने का निर्देश दिया था। न्यायालय ने कहा था कि विचाराधीन कैदी समीक्षा समिति दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 436 और धारा 436 ए पर प्रभावी तरीके से अमल करके ऐसे कैदियों को यथाशीघ्र रिहा करने पर गौर करे। देश में 2020 के अंत तक जेलों की कुल संख्या 1306 थी और इनमें 4,14,033 कैदियों को रखने की क्षमता थी। लेकिन शायद ही कभी ऐसा अवसर आया जब इनमें क्षमता के अनुसार कैदी रहे हों। जेलों में क्षमता से अधिक कैदी होने की वजह से अक्सर वहां कैदियों के बीच ही मारपीट और लड़ाई-झगड़े की घटनाएं भी होती रहती हैं। विचाराधीन कैदियों का मामला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उठाये जाने के बाद उम्मीद है कि उच्च न्यायालय और जिला न्यायाधीशों की अध्यक्षता वाली समितियां उनके मामलों की तेजी से समीक्षा करेंगी ताकि उनके मानवाधिकारों की रक्षा की जा सके और जेलों के प्रबंधन पर पड़ रहे बोझ को कम किया जा सके।

सू-दोकू नवताल 2116

	6	2		5	9	1		8
4			7					2
9				1			6	
	7					6		3
		6		7		5		
5		1					2	
	3			8				5
2					4			1
1		5	3	2		4	9	

सू-दोकू -2115 का हल

7	4	9	8	3	5	6	2	1
6	1	5	7	2	4	3	9	8
2	8	3	9	6	1	4	7	5
4	7	8	2	1	6	9	5	3
5	3	1	4	7	9	8	6	2
9	6	2	5	8	3	1	4	7
1	9	7	6	5	8	2	3	4
3	5	6	1	4	2	7	8	9
8	2	4	3	9	7	5	1	6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2116

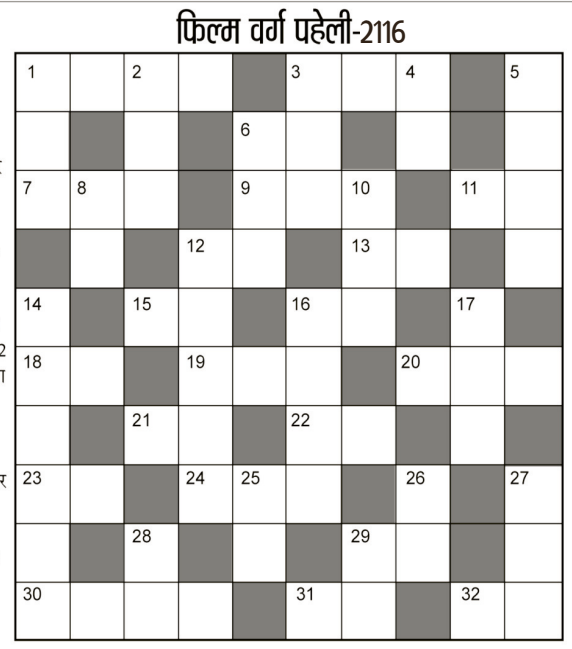

बायें से दायें:-

1. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-4
3. किरणकुमार, राधा सलूजा की 'दिल का नजराना ले ओ' गीत वाली फिल्म-3
6. 'आजा रे अब मेरा दिल पुकारा' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-2
7. राजेंद्रकुमार, शर्मिला की 'खाई है रेहमने कसम संग रहने' गीत वाली फिल्म-3
9. करण दीवान, स्वर्णलता की सुपरहिट फिल्म-3
11. गुरूदत्त, वहीदा की फिल्म-2
12. फिल्म 'जीत' में सलमान का नाम-2
13. अजय, सोनाली की 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली फिल्म-2
15. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करणनाथ, मनीषा, नतान्या सिंह की फिल्म-2
16. सनी देओल, सुष्मिता की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-2
18. अजय, आफजाब, विवेक, रितेश, लारा, अमृताराव की फिल्म-2
19. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-3
20. सचिन खेडेकर, तब्बू, स्मिता की अंडरवर्ल्ड पर बनी एक फिल्म-3
21. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या की फिल्म-3
22. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-2
23. राजकुमार, शशि, साधना की फिल्म-2
24. 'परदेसी तो हैं' गीत वाली फिल्म-3
29. 'दिल मेरे ना और इंतजार कर' गीत वाली शाहिद, करीना की फिल्म-2
30. फिल्म 'रंगदे बसंती' के संगीतकार कौन थे?-4
31. 'दिल है छोटा सा छोटी सी आशा' गीत वाली फिल्म-2
32. अभिषेक, उदय, जॉन, ईशा, रिमी सेन की फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

वाली अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-3
12. सुनीलदत्त, रेखा की 'हाय मेरी मजबूर जवानी' गीत वाली फिल्म-2,3
14. 'उंगली में अंगूठी' गीत वाली सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-2,4
16. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-4
17. 'सगरे जगत का इक' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी की फिल्म-3
25. राजेश खन्ना, पूनम ढिल्लों की 'ऐसी हसीन चाँदनी' गीत वाली फिल्म-2
26. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-2
27. 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-3
28. फिल्म 'मेहबूबा' में नायिका कौन थी-2
29. रितिक रोशन, करिश्मा की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2115

मु	सा	फि	र		प्या	र	ही	प्या	र
क्ति		जा	न	म		फ्ता		सी	
	प			ज	ह	र		शा	न
प्र	ति	ज्ञा		बू	म		उ	म	र
	ता		स	र		फू	ल		सि
सा		खों	फ		न		झ		म्हा
व	क्त		र		म	हा	न	ता	
न		दी		नौ	क	र		ल	की
भा	ग्य	वा	न			जी	त		म
दो		ना		स	पू	त		भू	त

1. नसीर, शाहरूख, रीनाराय की फिल्म-3
2. 'एक लड़की हो गई राजी' गीत वाली राहुल राय, शीबा की फिल्म-3
3. जीतेंद्र, विश्वजीत, मुमताज की 'हमें तुमसे तुम्हें हमसे' गीत वाली फिल्म-3
4. 'एक हसीना थी एक' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-2
5. किशोरकुमार, माला की 'प्यार का जहाँ हो छोटा सा' गीत वाली फिल्म-4
6. 'बेदर्दी बालमा तुझको मेरा मन' गीत वाली फिल्म-3
8. राज बब्बर, राजीव कपूर, डिम्पल की 'जीने दे ये दुनिया' गीत वाली फिल्म-2
10. 'अली अली मैं जोगन बन गई' गीत

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मैट्रिमोनीडॉटकॉम का शुद्ध मुनाफा चौथी तिमाही में 15.6 फीसदी बढ़ा

चेन्नई । विवाह योग्य युवक-युवतियों के जोड़े मिलाने और उनके शादी-विवाह से संबंधित सेवाएं प्रदान करने वाली मेट्रिमोनी डॉट कॉम का वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 15.6 प्रतिशत बढ़कर 11.70 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुरुगवेल जानकीरमन ने तिमाही नतीजों की जानकारी देते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2020-21 की इसी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 10.12 करोड़ रुपये रहा था। पूरे वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 31.44 प्रतिशत बढ़कर 53.59 करोड़ रुपये पर पहुंच गया जो इससे एक साल पहले 40.77 करोड़ रुपये था। कंपनी की चौथी तिमाही में कुल आय बढ़कर 116.26 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। वित्त वर्ष 2020-21 की समान तिमाही में यह 105.06 करोड़ रुपये रही थी। वहीं पूरे वित्त वर्ष में कंपनी की कुल आय 452.43 करोड़ रुपये रही जबकि एक साल पहले यह 395.33 करोड़ रुपये रही थी। कंपनी के निदेशक मंडल ने पांच रुपये के अंकित मूल्य पर पांच रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंतिम लाभांश की सिफारिश भी की है।

महंगाई पर अंकुश में डब्ल्यूटीओ की भूमिका चाहता है भारत

नई दिल्ली । भारत ने वैश्विक स्तर पर महंगाई बढ़ने के बीच विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) से अपनी भूमिका निभाने को कहा है। डब्ल्यूटीओ में राजदूत और स्थायी प्रतिनिधि ब्रजेंद्र नवनीत ने भारत की तरफ से दिए गए बयान में यह आग्रह किया। उन्होंने कहा वैश्विक व्यापार निकाय की सर्वोच्च प्राथमिकता अर्थव्यवस्थाओं में पुनरुद्धार और कोविड-19 महामारी के बाद और भू-राजनीतिक संकट के दौरान आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने की होनी चाहिए। स्थायी प्रतिनिधि ने कहा, वर्तमान स्थिति ने एक और नई बड़ी परेशानी खड़ी कर दी है, जो अधिकांश देशों की अर्थव्यवस्थाओं में बढ़ती मुद्रास्फीति है। यह बयान चार मई को व्यापार वार्ता समिति (टीएनसी) और प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुख (एचओडी) की अनौपचारिक बैठक के दौरान दिया गया था।

इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सुरक्षा सबसे महत्वपूर्णः मुंजाल

नई दिल्ली । हीरो मोटोकॉर्प के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पवन मुंजाल ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ईवी विनिर्माताओं को ऐसे उत्पादों का इस्तेमाल करना चाहिए जो टिकाऊ होने के साथ-साथ ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप हों। मुंजाल ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि वाहन उद्योग विद्युतीकरण की तरफ बढ़ रहा है। ऐसे में बुनियादी ढांचे और बिजली की उपलब्धता, पारिस्थितिकी तंत्र, सरकारी सब्सिडी और ईवी कचरे का निपटान भविष्य में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहे हैं। बिना किसी संदेह के विद्युतीकरण उद्योग के लिए आगे का रास्ता है। कई कंपनियां पहले ही इस क्षेत्र में उतर चुकी है। मेरा मानना है कि ईवी भविष्य का वाहन होगा और देश इस दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मार्च में दूरसंचार ग्राहकों की संख्या बढ़कर 116.6 करोड़ पहुंची

नई दिल्ली। भारती एयरटेल और रिलायंस जियो के बेहतर प्रदर्शन की वजह से मार्च, 2022 में कुल दूरसंचार ग्राहकों की संख्या बढ़कर 116.69 करोड़ से अधिक हो गई। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने अपनी मासिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। इस दौरान भारती एयरटेल और रिलायंस जियो ने मोबाइल फोन के साथ ही फिक्स्ड लाइन सेवा खंड में नए ग्राहक जोड़े। ट्राई की ग्राहक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में दूरसंचार ग्राहकों की संख्या मार्च, 2022 के अंत में बढ़कर 1,16.69 करोड़ हो गई, जो फरवरी, 2022 के ओ खिरी में 116.60 करोड़ थी।''ट्राई की रिपोर्ट में कहा गया कि मार्च और फरवरी के बीच शहरी टेलीफोन ग्राहक 64.77 करोड़ से घटकर 64.71 करोड़ रह गए, जबकि इस दौरान ग्रामीण ग्राहक 51.82 करोड़ से बढ़कर 51.98 करोड़ हो गए।रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च में वायरलेस ग्राहकों की कुल संख्या बढ़कर 114.2 करोड़ हो गई, जो फरवरी में 114.15 करोड़ थी।समीक्षाधीन माह में भारती एयरटेल और रिलायंस जियो के ग्राहकों की संख्या में बढ़ोतरी हुई। मार्च में एयरटेल के मोबाइल ग्राहकों की संख्या 22.55 लाख बढ़ी, जबकि जियो के लिए यह आंकड़ा 12.6 लाख था। इस दौरान वोडाफोन आइडिया ने 28.18 लाख से अधिक मोबाइल ग्राहकों को खो दिया। सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनियों बीएसएनएल और एमटीएनएल ने क्रमशः 1.27 लाख और 3,101 मोबाइल ग्राहक खो दिए।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार में शुक्रवार को भी गिरावट रही। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन विदेशी बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने के साथ ही मुद्रास्फीति के बढ़ने की आशंका से भी बाजार नीचे आया है। इससे पहले गत दिवस भी बाजार भारी गिरावट के साथ बंद हुआ था। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स कारोबार के अंत में 136.69 अंक करीब 0.26 फीसदी नीचे आकर 52,793.62 अंक पर बंद हुआ जबकि कारोबार के दौरान यह 855.4 अंक ऊपर आकर 53,785.71 अंक तक पहुंच गया था हालांकि अंतिम समय में मुनाफावसूली से यह नीचे फिसल गया। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 25.85 अंक तकरीबन 0.16 फीसदी नीचे आकर 15,782.15 अंक पर खिसक गया। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, एनटीपीसी, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक और मारुति सुजुकी के शेयर सबसे ज्यादा गिरे हैं। वहीं इसके विपरीत सन फार्मा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, आईटीसी, एचयूएल, टाइटन और रिलायंस के शेयरों को लाभ हुआ। दूसरी ओर एशिया के अन्य बाजारों में टोक्यो, हांगकांग, सोल और शंघाई में बढ़त दर्ज हुई। उधर यूरोपीय शेयर बाजार भी बढ़त पर रहे। अमेरिकी शेयर बाजारों से मिश्रित संकेत मिले हैं।

रुपया 77.49 पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को रुपये ने मुद्रास्फीति के कारण अपनी शुरुआती बढ़त खो दी और केवल एक पैसे की तेजी के साथ ही 77.49 के स्तर पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार में रुपया एक सीमित दायरे में रहा। इस दौरान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हस्तक्षेप से रुपये की गिरावट कुछ हद तक रुकी। वहीं अंतर-बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 77.35 पर खुला और दिन के कारोबार में 77.26 से 77.49 के दायरे में घूमता रहा। वहीं कारोबार के अंत में यह 77.49 पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से केवल एक पैसे की बढ़त दिखाता है। इसी बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी गिरकर 104.79 पर आ गया।

एलआईसी एचएफएल ने चुनिंदा कर्जदारों के लिए होम लोन पर ब्याज दरें बढ़ाई

नई दिल्ली ।

महंगाई को काबू में रखने के लिए रिजर्व बैंक ने हाल ही में रेपो रेट में बढ़ोतरी की थी। रेपो रेट बढ़ने का असर बैंकों और हाउसिंग फाइनेंस के ब्याज दर पर भी दिख रहा है। इसी कड़ी में एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस यानी एलआईसी एचएफएल ने चुनिंदा कर्जदारों के लिए होम लोन पर ब्याज दरें 20 बेसिस पॉइंट यानी 0.20 फीसदी बढ़ाकर 6.7 फीसदी से 6.9 फीसदी कर दीं हैं। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने कहा कि संशोधित दरें शुक्रवार से प्रभावी होंगी।कंपनी ने बताया कि जिन कर्जदारों का सिविल स्कोर 700 या इससे अधिक है, उनके लिए दरों में वृद्धि केवल 20 बेसिस पॉइंट यानी 0.20 फीसदी तक सीमित है।कंपनी ने बताया कि जिन ग्राहकों का सिबिल स्कोर 700 से कम है, उनके लिए अधिकतम वृद्धि 25 बेसिस पॉइंट, नए ग्राहकों के लिए यह 40 बेसिस पॉइंट है। एलआईसी एचएफएल के अधिकारी ने कहा, आरबीआई ने लंबे समय बाद नीतिगत दरें बढ़ाई हैं और इसका असर सभी कर्जदाताओं पर नजर आ रहा है। घर खरीदारों की आकांक्षाओं का खयाल रखते हुए फंड की लागत बढ़ने के बावजूद हमने होम लोन दरों को प्रतिस्पर्धी बना रखा है। गौरतलब है कि हाउसिंग लोन देने वाली देश की दिग्गज कंपनी एचडीएफसी लिमिटेड ने 1 मई, 2022 को अपनी बेंचमार्क कर्ज दर में 0.05 फीसदी की बढ़ोतरी की है। इससे कंपनी से कर्ज ले चुके मौजूदा ग्राहकों के लिए मासिक किस्त बढ़ जाएगी। नई दर 1 मई से प्रभावी हो गई है। हालांकि, नए कस्टमर्स के लिए दरें अपरिवर्तित रहेंगी।

खुदरा मुद्रास्फीति अप्रैल में बढ़कर 7.79 प्रतिशत हुई

- सीपीआई पर आधारित महंगाई इस साल मार्च में 6.95 फीसदी और अप्रैल, 2021 में 4.23 प्रतिशत थी

मुंबई । खाद्य पदार्थों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के चलते खुदरा मुद्रास्फीति अप्रैल में सालाना आधार पर बढ़कर 7.79 प्रतिशत हो गई, जो आठ साल का सबसे ऊंचा स्तर है। यह लगातार चौथे महीने रिजर्व बैंक के लक्ष्य की ऊपरी सीमा से अधिक रही है। ऐसे में अनुमान जताया जा रहा है कि महंगाई पर काबू पाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अगले महीने अपनी नीतिगत समीक्षा के दौरान ब्याज दरों में एक और बढ़ोतरी कर सकता है। पिछले सप्ताह रिजर्व बैंक की अचानक आयोजित मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में रेपो दर को 0.40 प्रतिशत बढ़ाकर 4.40 प्रतिशत कर दिया था। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित महंगाई इस साल मार्च में 6.95 फीसदी और अप्रैल, 2021 में 4.23 प्रतिशत थी। इससे पहले मई, 2014 में खुदरा मुद्रास्फीति 8.33 प्रतिशत के स्तर पर रही थी। राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) द्वारा बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, खाद्य मुद्रास्फीति अप्रैल में बढ़कर 8.38 प्रतिशत हो गई, जो इससे पिछले महीने में 7.68 प्रतिशत और एक साल पहले इसी महीने में 1.96 प्रतिशत थी। ईंधन और बिजली श्रेणी में खुदरा मुद्रास्फीति इस साल अप्रैल में बढ़कर 10.80 प्रतिशत हो गई, जो इससे पिछले महीने में 7.52 प्रतिशत थी।

समीक्षाधीन माह में तेल और वसा श्रेणी में मुद्रास्फीति 17.28 प्रतिशत (मार्च 2022 में 18.79 प्रतिशत) के उच्चस्तर पर रही। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते खाद्य पदार्थों की महंगाई बढ़ी है। आंकड़ों के मुताबिक, सब्जियों की मुद्रास्फीति अप्रैल में 15.41 प्रतिशत रही, जो मार्च में 11.64 प्रतिशत थी। सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि मुद्रास्फीति चार प्रतिशत के स्तर पर रहे, जिसमें ऊपर-नीचे दो प्रतिशत तक घट-बढ़ हो सकती है। जनवरी, 2022 से खुदरा मुद्रास्फीति छह प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति के कारण खाद्य वस्तुओं की कीमतों में हुई भारी बढ़ोतरी का प्रतिकूल प्रभाव घरेलू बाजार में भी दिखाई दे रहा है और आगे मुद्रास्फीति का दबाव जारी रहने की संभावना है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने कहा` कि अधिक आधार प्रभाव के कारण मई, 2022 में सीपीआई मुद्रास्फीति कुछ कम हो सकती है, हालांकि यह 6.5 प्रतिशत से ऊपर रहेगी।

टाटा मोटर्स का शेयर आठ फीसदी से अधिक चढ़ा

नई दिल्ली ।

टाटा मोटर्स का शेयर शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में आठ फीसदी से अधिक चढ़ गया। एक दिन पहले ही कंपनी ने बताया कि उसका एकीकृत शुद्ध घाटा वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में कम होकर 992.05 करोड़ रुपए पर आ गया है। बीएसई पर कंपनी का शेयर 8.30 फीसदी उछलकर 403 रुपए प्रति शेयर पर आ गया, वहीं एनएसई पर यह 8.31 फीसदी चढ़कर 403.25 रुपए प्रति शेयर हो गया। टाटा मोटर्स ने इसके पहले शेयर बाजारों को बताया था कि उसका एकीकृत शुद्ध घाटा वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में कम होकर 992.05 करोड़ रुपए पर आ गया है। उसने कहा था कि वित्त वर्ष 2020-21 की जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध घाटा 7,585.34 करोड़ रुपए रहा था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी की कुल परिचालन आय घटकर 78,439.06 करोड़ रुपए रह गई, जो एक साल पहले की इसी तिमाही में 88,627.90 करोड़ रुपए थी। वहीं एकल आधार पर वाहन विनिर्माता कंपनी का शुद्ध लाभ आलोच्य तिमाही के दौरान घटकर 413.35 करोड़ रुपए पर आ गया। एक साल पहले की इसी अवधि में यह 1,645.68 करोड़ रुपए था। कंपनी ने बताया कि एकल आधार पर उसकी परिचालन आय वित्त वर्ष 2021-22 की अंतिम तिमाही में बढ़कर 17,338.27 करोड़ रुपए हो गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 13,480.42 करोड़ रुपए थी।

आरबीआई एक फीसदी तक बढ़ा सकता है ब्याज दरें

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई)। अप्रैल में महंगाई दर के आठ साल के उच्चतम स्तर 7.79 फीसदी पर पहुंचने के बाद चालू वित्त वर्ष में रेपो दर एक फीसदी बढ़ा सकता है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने यह संभावना जताई है। क्रिसिल की शोध इकाई ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के लिए औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति बढ़कर 6.3 प्रतिशत पर पहुंच सकती है, जो केंद्रीय बैंक के संतोषजनक स्तर छह फीसदी से अधिक है। रिजर्व बैंक ने इस महीने की शुरुआत में बढ़ती मुद्रास्फीति को नियंत्रण में करने के लिए रेपो दर को 0.4 प्रतिशत बढ़ाकर 4.40 प्रतिशत कर दिया था। अगस्त, 2018 के बाद पहली बार रेपो दर को बढ़ाया गया है। अब महंगाई में तेजी से वृद्धि के चलते रेपो रेट में और इजाफा हो सकता है।` जिससे लोन ईएमआई और बढ़ जाएगी। वित्त वर्ष 2022-23 में मुद्रास्फीति व्यापक हो सकती है। इससे खाद्य वस्तुओं, ईंधन और मुख्य क्षेत्रों में महंगाई बढ़ेगी। इसलिए संभावना है कि रिजर्व बैंक चालू वित्त वर्ष में रेपो दर में 0.75 से एक प्रतिशत की और बढ़ोतरी करे।

यूनियन बैंक के एकल लाभ में आठ फीसदी का इजाफा, बढ़कर 1,440 करोड़ रुपये पर पहुंचा

नई दिल्ली ।

पब्लिक सेक्टर के प्रतिष्ठित बैंक ऑफ इंडिया ने बताया कि वित्त वर्ष 2021-22 की जनवरी-मार्च तिमाही में एकल आधार पर उसका शुद्ध लाभ आठ प्रतिशत बढ़कर 1,440 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यूनियन बैंक ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि वित्त वर्ष 2020-21 की समान तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 1,330 करोड़ रुपये रहा था। वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में बैंक की कुल आय बढ़कर 20,417.44 करोड़ रुपये पर पहुंच गई जो इससे एक साल पहले की समान अवधि में 19,804.91 करोड़ रुपये थी। बैंक का बीते पूरे वित्त वर्ष के लिए एकल आधार पर शुद्ध लाभ 80 प्रतिशत बढ़कर 5,232 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वित्त वर्ष 2020-21 में उसका शुद्ध लाभ 2,906 करोड़ रुपये रहा था। हालांकि 31 मार्च 2022 को समाप्त वित्त वर्ष में बैंक की कुल आय मामूली गिरावट के साथ 80,468। 77 करोड़ रुपये रही जबकि एक साल पहले यह 80,511.83 करोड़ रुपये रही थी। वित्त वर्ष 2021-22 में बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) सकल अग्रिम के 11.11 प्रतिशत पर रहीं जबकि इससे एक साल पहले इसी अवधि में यह 13.74 प्रतिशत था। मूल्य के संदर्भ में बीती तिमाही में बैंक का सकल एनपीए 79,587.07 करोड़ रुपये रहा जो वित्त वर्ष 2020-21 की समान अवधि में 89,788.20 करोड़ रुपये रहा था। वित्त वर्ष 2021-22 की मार्च तिमाही में एकीकृत आधार पर बैंक का शुद्ध लाभ लगभग 23 प्रतिशत बढ़कर 1,557 करोड़ रुपये पर पहुंच गया जबकि इससे एक साल पहले की समान अवधि में यह 1,269 करोड़ रुपये रहा था। हालांकि उसकी कुल आय 20,681.40 करोड़ रुपये से घटकर 19,353.85 करोड़ रुपये रह गयी। इस बीच यूनियन बैंक के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 1.90 रुपये प्रति इक्विटी शेयर का लाभांश देने की अनुशंसा की है।

एक्सिस और केनेरा बैंक ने भी एफडी की ब्याज दरें बढ़ाई

- नई दरें 12 मई, 2022 से प्रभावी

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक और निजी क्षेत्र के एक्सिस बैंक ने भी एफडी की ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने की घोषणा की है। रिजर्व बैंक द्वारा इसी महीने रेपो रेट और सीआरआर में दो साल बाद बढ़ोतरी की घोषणा की गई थी। इसके बाद से सावधि जमाओं पर बैंक ब्याज दरें बढ़ा रहे हैं। इससे पहले इस साल जनवरी से बैंकों ने एफडी की ब्याज दरें बढ़ानी शुरू की थी. रिजर्व बैंक के कदम के बाद दोबारा बढ़ोतरी हो रही है। एक्सिस बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक 7 दिन से लेकर 10 साल तक के एफडी पर अब 2.5 फीसदी से 5.75 फीसदी तक ब्याज दिया जा रहा है। 9 महीने से 1 साल तक और 1 साल से 15 महीने तक के एफडी पर ब्याज दर को बढ़ाकर क्रमशः 4.75 फीसदी और 5.25 फीसदी कर दिया गया है। 15 महीने से ज्यादा लेकिन 2 साल से कम मैच्योरिटी वाली एफडी पर अब 5.3 फीसदी ब्याज ऑफर किया जा रहा है। 2 साल से 5 साल तक वाली एफडी पर 5.6 फीसदी और 5 से 10 साल वाली एफडी पर 5.75 फीसदी ब्याज एक्सिस बैंक दे रहा है। वरिष्ठ नागरिकों को सभी अवधि की जमाओं पर आधा फीसदी (0.50 फीसदी) ज्यादा ब्याज मिलेगा। नई दरें 12 मई, 2022 से प्रभावी हो गई है। इसी तरह सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने भी 2 करोड़ रुपए तक की सावधि जमाओं पर ब्याज दरें बढ़ाने की घोषणा की है। 7 दिन से 45 दिन की जमाओं पर बैंक अब 2.9 फीसदी ब्याज ऑफर कर रहा है। 46 दिन से 90 दिन और 91 दिन से 179 दिन की जमाओं पर ग्राहकों को क्रमशः 4 और 4.05 फीसदी ब्याज मिलेगा। 180 दिन से 269 दिन की जमाओं पर ब्याज दर को 4.4 फीसदी से बढ़ाकर 4.5 फीसदी कर दिया गया है। वरिष्ठ नागरिकों को सभी जमाओं पर आधा फीसदी ज्यादा ब्याज दिया जा रहा है। नई दरें 12 मई से लागू हो गई है। 1 साल के एफडी पर केनरा बैंक अब 5.3 फीसदी ब्याज देगा. जबकि 1 साल से ज्यादा लेकिन 2 साल से कम की जमा पर 5.4 फीसदी ब्याज दिया जाएगा। 270 दिन से ज्यादा और 1 साल से कम अवधि के लिए ब्याज की दर 4.55 फीसदी होगी। 2-3 साल की जमाओं पर 5.45 फीसदी, 3-5 साल के लिए 5.7 फीसदी और 5-10 साल तक की एफडी पर बैंक अब 5.75 फीसदी ब्याज ऑफर कर रहा है।

बेहतर प्रदर्शन के चलते अप्रैल में देश के निर्यात में 30.7 फीसदी का इजाफा

-व्यापार घाटा 20.11 अरब डॉलर पर पहुंचा

नई दिल्ली ।

देश में निर्यात के मद्देनजर अप्रैल महीना काफी माफिक रहा है। पेट्रोलियम उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक सामान और रसायन जैसे क्षेत्रों के अच्छे प्रदर्शन के कारण अप्रैल में भारत का उत्पाद निर्यात 30.7 प्रतिशत बढ़कर 40.19 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। वाणिज्य मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। समीक्षाधीन माह में देश का व्यापार घाटा बढ़कर 20.11 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस दौरान आयात 30.97 प्रतिशत बढ़कर 60.3 अरब डॉलर हो गया। इससे पहले अप्रैल 2021 में व्यापार घाटा 15.29 अरब डॉलर रहा था। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, 'पिछले वित्त वर्ष में रिकॉर्ड प्रदर्शन के बाद अप्रैल 2022 में भी निर्यात में मजबूत वृद्धि रही। वस्तुओं का निर्यात 40 अरब डॉलर को पार कर एक नई ऊंचाई पर पहुंच गया।' समीक्षाधीन माह में पेट्रोलियम एवं कच्चे तेल का आयात 87.54 प्रतिशत बढ़कर 20.2 अरब डॉलर हो गया। कोयला, कोक और ब्रिकेट्स (कोयले की ईंट) का आयात बढ़कर 4.93 अरब डॉलर हो गया जो अप्रैल 2021 में दो अरब डॉलर था।

हालांकि, अप्रैल 2022 में सोने का आयात लगभग 72 प्रतिशत घटकर 1.72 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया, जो अप्रैल 2021 में 6.23 अरब डॉलर था। इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात 15.38 फीसदी बढ़कर 9.2 अरब डॉलर हो गया, जबकि पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात 113.21 फीसदी बढ़कर 7.73 अरब डॉलर हो गया।

पैकेट का वजन घटाकर आपकी जेब हल्की कर रहीं कंपनियां

मुंबई ।

दैनिक उपयोग के उत्पाद बनाने वाली कंपनियां चिप्स, बिस्किट, नमकीन के पैकेट का वजन घटाकर आपकी जेब हल्की कर रही हैं। महंगाई में उछाल के बाद बढ़ी लागत की भरपाई के लिए एफएमसीजी कंपनियों का यह तरीका पहले भी अपनाती रही हैं। बिस्किट से जड़ी कंपनियों के अलावा ज्यादातर कंपनियां पैकेटों का आकार भी वैसा ही रखती हैं पर मात्रा उसमें मात्रा कम कर देती हैं। पारले-जी बिस्किट, बीकाजी नमकीन और कोलगेट टूथपेस्ट ऐसे ढेरों प्रोडक्ट हैं, जिनकी कीमत 1 रुपए नी नहीं बढ़ी लेकिन फिर भी ये महंगे हो गए हैं। पांच रुपए वाले जैसे पारले` बिस्किट का वजन 64 ग्राम से घटकर 55 ग्राम हो गया है। इसी तरह कोलगेट के टूथपेस्ट 10 रुपए वाले पैकेट का वजन 25 ग्राम से घटाकर 18 ग्राम कर दिया गया है। कैडबरी सेलिब्रेशन पहले 100 रुपए में 150 ग्राम चॉकलेट का पैकेट देता था। जो अब घटकर 100 ग्राम हो गया है। इतना ही नहीं, पहले 30 रुपए के पैकेट में 10 सेनेटरी पैड आते थे, जिन्हें अब घटाकर 7 कर दिया है। बीकाजी कंपनी पहले 10 रुपए में 80 ग्राम नमकीन देती थी जिसे अब घटाकर आधा यानी 40 ग्राम कर दिया गया है। दरअसल खाद्य उत्पाद के दाम बढ़ने से कंज्यूमर उत्पाद बनाने वाली कंपनियों की लागत बढ़ी है। विशेषज्ञों का कहना है कि बीते एक साल में अधिकांश कमोडिटी की कीमतों में बड़ा उछाल आया है लेकिन मात्रा कम कर उपभोक्ताओं को भ्रम में रख कंपनियां दाम तो नहीं बढ़ा रही हैं पर मात्रा कम कर रही हैं। चिप्स, बिस्किट और नमकीन के छोटे पैकेट का बाजार ज्यादा बड़ा है। इसमें पांच रुपए और 10 रुपए के पैकेट का एक अलग उपभोक्ता वर्ग है, जिसकी संख्या अधिक है। ऐसे में इस श्रेणी दाम बढ़ाने का जोखिम कोई भी कंपनी नहीं लेना चाहती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लाइट नहीं होने से पूरा सिस्टम बंद था तो जनरेटर क्यों नहीं यूज किया, सीएसके की हार पर सहवाग ने सुनाई

मुंबई । आईपीएल 2022 के रोमांच के बीच मुंबई इंडियंस के खिलाफ 'करो या मरो' मुकाबले में चेन्नई को मिली हार के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार डीआरएस को माना जा रहा है। मैच के शुरुआती कुछ समय तक डीआरएस उपलब्ध नहीं था। लाइट नहीं होने से पूरा सिस्टम बंद था और उसी समय डेवॉन कॉन्वे विवादित एलबीडब्ल्यू आउट हुए और चेन्नई डीआरएस नहीं ले सका। इस पर वीरेंद्र सहवाग ने पूरे सिस्टम को जमकर लताड़ लगाई। उन्होंने डीआरएस के लिए जनरेटर का इस्तेमाल नहीं करने के लिए सवाल उठाया है। उन्होंने कहा, 'यह आश्चर्यजनक था कि बिजली कटौती के कारण डीआरएस उपलब्ध नहीं था। यह इतनी बड़ी लीग है कि एक जनरेटर का उपयोग किया जा सकता है। जो भी सॉफ्टवेयर था, वह बैकअप के जरिए बिजली से चलाया जा सकता था। यह बीसीसीआई के लिए एक बड़ा सवाल है।' उन्होंने कहा, 'अगर बिजली कट जाती है तो क्या होगा? क्या जनरेटर केवल स्टेडियम की रोशनी के लिए है न कि ब्रॉडकास्टर्स और उनके सिस्टम के लिए? अगर मैच हो रहा था तो डीआरएस का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए था। या डीआरएस का इस्तेमाल पूरे मैच में नहीं किया जाना चाहिए था। अगर मुंबई पहले बल्लेबाजी कर रही होती तो उन्हें नुकसान होता।'

केकेआर को हराकर प्लेऑफ के लिए उम्मीदें बनाये रखने उतरेगी सनराइजर्स

पुणे ।

सनराइजर्स हैदराबाद की टीम शनिवार को होने वाले आईपीएल के लीग मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बरकरार रखने उतरेगी। सनराइजर्स हैदराबाद के 11 मैचों में 10 अंक हैं और उसे प्लेऑफ में पहुंचने के लिए इन तीनों को जीतना होगा। एक भी मैच हारने पर वह बाहर हो जाएगी। सनराइजर्स की राह आसान नहीं है क्योंकि पिछले पांच मैचों में उसे लगातार हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में उसे केकेआर के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। वहीं दूसरी ओर केकेआर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। उसके 12 मैचों में 10 अंक हैं और अब उसके दो मैच ही शेष हैं, अगर वह इन दोनो को भी जीत लेती है तो भी उसके 14 अंक ही होंगे जबकि राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर 12 मैचों में 14 अंक लेकर शीर्ष चार में बरकरार हैं। सनराइजर्स को इस मैच में जीत दर्ज करनी है तो उसके गेंदबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पिछले मैच में उसके प्रमुख गेंदबाज उमरान मलिक नाकाम रहे थे। उसे वॉशिंगटन सुंदर और टी नटराजन के नहीं होने का भी नुकसान उठाना पड़ा था। आरसीबी के खिलाफ पिछले मैच में सनराइजर्स ने फजलहक फारुकी और कार्तिक त्यागी को उतारा पर यह दोनो ही प्रभावित नहीं कर पाये। जहां तक बल्लेबाजी की बात है टीम के पास टीम की उम्मीदें कप्तान केन विलियमसन पर टिकी रहेंगी। होगी। विलियमसन अब तक इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं पर अब उन्हें टीम को जीत दिलाने रन बनाने होंगे। युवा अभिषेक शर्मा के साथ ही. राहुल त्रिपाठी, निकोलस पूरन और एडेन मार्करम से टीम को बेहतर बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी। वहीं दूसरी ओर केकेआर इस सत्र में अपनी अंतिम ग्यारह में लगातार बदलाव करती रही है जो उसके लिए नुकसानदेह रहा है। केकेआर ने पिछले मैच में मुंबई इंडियंस को हराया था जिससे उसका मनोबल कुछ हद तक बढ़ा रहेगा। केकेआर की टीम हालांकि पावरप्ले में रन बनाने में विफल रही है। युवा वेंकटेश अय्यर अब लय में आ रहे हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा। गेंदबाजी की बात करें तो टिम साउदी और

पैट कमिंस ने पिछले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था पर इस मैच में कमिंस नहीं खेलेंगे क्योंकि फिट नहीं होने के कारण वह आईपीएल से बाहर हो गये हैं। इसके अलावा अनुभवी गेंदबाज उमेश यादव भी मांसपेशियों खिंचाव के कारण पिछले मैच में नहीं खेल पाये थे। अब देखना है कि वह फिट हो पाते हैं या नहीं

43 साल में पहली बार थॉमस कप के सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम

मलेशिया को 3-2 से हराया

बैंकॉक ।

भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने 43 साल में पहली बार थॉमस कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। भारतीय टीम ने मलेशिया को 3-2 से हराकर कांस्य पदक पक्का किया है। भारत ने साल 1979 के बाद से इस इस टूर्नामेंट में कोई पदक नहीं जीता है। भारत को इससे पहले इंटर जोनल फाइनल में पहुंचने पर तीन कांस्य मिले थे। क्वालीफाइंग प्रारूप में बदलाव के बाद यह पहला अवसर है जब भारत को इस टूर्नामेंट में कोई पदक मिला है। भारत के चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की पुरुष युगल जोड़ी के अलावा किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय की जीत से भारत सेमीफाइनल में पहुंचा है। अब यहां भारतीय टीम का सामना कोरिया या डेनमार्क के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से होगा। भारतीय टीम के युवा खिलाड़ी लक्ष्य सेन यहां असफल रहे और शुरुआती एकल मुकाबले में ही हार गये। उन्हें मौजूदा विश्व चैंपियन ली जी जिया ने 46 मिनट तक चले मुकाबले में 21-23 9-21 से हराया

पर चिराग और सात्विकसाईराज की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व के 13वें नंबर के खिलाड़ी गोह से फी और नूर इजुद्दीन को 21-19 21-15 से हराकर भारतीय टीम की उम्मीदें जगायीं। इसके बाद श्रीकांत ने विश्व रैंकिंग के 46वें नंबर के खिलाडी एनजी त्जे योंग को 21-11 21-17 से हराकर भारत की बढ़त को 2-1 पहुंचा दिया। विश्व रैंकिंग में 45वें स्थान पर कायम कृष्णा प्रसाद गरागा और विष्णुवर्धन गौड़ पंजाला की जोड़ी को हालांकि इसके बाद आरोन चिया और टीओ ई यी के हाथों हार का सामना करना पड़ा पर प्रणय ने हुन हाओ लेओंग को 21-13 21-8 से हराकर भारतीय टीम को वापसी करायी।

नडाल इटालियन ओपन से बाहर हुए , शापोवालोव , जोकोविच अगले दौर में पहुंचे

रोम । स्पेन के टेनिस स्टार राफेल नडाल इटालियन ओपन में हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। नडाल को तीसरे दौर के मुकाबले में कनाडा के डेनिस शापोवालोव ने हराया। इस मैच में नडाल अपनी पूरी ताकत से नहीं खेल पाये क्योंकि वह पैर में दर्द से परेशान थे। ऐसे में नडाल कनाडाई खिलाड़ी के खिलाफ मिली शुरुआती बढ़त का लाभ नहीं उठा पाये और 1-6, 7-5, 6-2 से हार कर बाहर हो गये। गौरतब है कि बाएं पांव में चोट के कारण नडाल पिछले साल भी कई टूर्नामेंट में नहीं खेल पाए थे। आगामी फ्रेंच ओपन 22 मई से शुरू हो रहा है ऐसे में नडाल का वहां खेलना भी संदिग्ध नजर आ रहा है। वहीं एक अन्य मुकाबले में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने स्विटजरलैंड के स्टेन वावरिंका को 6-2, 6-2 से हराया। वावरिंका बाएं पांव की सर्जरी के बाद अपना दूसरा टूर्नामेंट खेल रहे थे। जोकोविच का सामना अब फेलिक्स ऑगर अलियासिम से होगा। फेलिक्स ने एक अन्य मुकाबले में अमेरिकी क्वालीफायर मार्कोस गिरोन को 6-3, 6-2 से हराया था।

एडिडास ने अच्छे एथलीटों को टीसीएस वर्ल्ड 10के बेंगलुरु मैराथन 2022 का हिस्सा बनाया

नई दिल्ली।

विश्व रिकॉर्ड धारक एथलीट रविवार को आगामी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) वर्ल्ड 10के बेंगलुरु मैराथन में भाग लेंगे। मुक्तार एड्रिस, किबिवोट कैंडी, एंडमलेक बेलिहु, जॉयस चेपकेमोई टेले, तादेसे वर्कू और तेलाहुन हैले बेकेले सहित दुनिया के शीर्ष एथलीट ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रिकॉर्ड तोड़े हैं। वहीं, टीसीएस मैराथन के 14वें सीजन में भाग लेंगे, जो महामारी के बाद वर्ष के अंतराल पर लौट रहे हैं। स्पोर्ट्सवियर की कंपनी एडिडास से जुड़े ये एथलीट दुनिया भर के कुछ सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के बीच प्रतिस्पर्धा करेंगे। विश्व स्तर पर एडिडास ने मैराथन जैसे खेलों का हमेशा आगे बढ़कर समर्थन किया है। एडिजेरो एडिओस प्रो 2 जैसे जूते की सीरीज के साथ एथलीटों को विश्व मंच पर रिकॉर्ड तोड़ने में सक्षम बनाता है। आगामी कार्यक्रम में, मुक्तार एड्रिस, किबिवोट कैंडी, एंडमलेक बेलिहु, तेलाहुन हैले बेकेले और तादेसे वर्कू पुरुष वर्ग में और जॉयस टेले महिलाओं की दौड़ में भाग लेंगी। सभी की निगाहें दो बार के गत विश्व चैंपियन मुक्तार एड्रिस पर होंगी, जिन्होंने हाल ही में ग्रीष्मकालीन विश्व चैंपियनशिप स्पर्धाओं में लगातार तीन खिताब जीतकर एक रिकॉर्ड बनाया है। इथियोपिया के एथलीट ने 2020 के दिल्ली हाफ मैराथन में भारतीय दौड़ में डेब्यू किया था। वह आने वाले मैराथन का उपयोग आगामी अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों के लिए अपनी तैयारियों के रूप में भाग लेंगे। केन्याई लंबी दूरी के धावक किबिवोट कैंडी एक और विशिष्ट नाम है, जो आने वाले रविवार को इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। पूर्व विश्व हाफ मैराथन रिकॉर्ड धारक का 10 किमी व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 26:51 है। उन्होंने अक्टूबर 2020 में पोलैंड के गिडेनिया में आयोजित विश्व एथलेटिक्स हाफ मैराथन चैंपियनशिप में दूसरा स्थान हासिल किया था। टीसीएस बेंगलुरु इवेंट में महिलाओं की दौड़ में भाग लेंने वाली केन्याई एथलीट जॉयस टेले ने आखिरी बार 2021 में 15के नोक्टर्ना वालेंसिया में महिलाओं की 15000 मीटर में पदक जीता था। उन्होंने इस साल की शुरुआत में बर्लिन हाफ मैराथन में दूसरे स्थान पर रहने के लिए 1:05:50 का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। विश्व मंच पर इथियोपिया का प्रतिनिधित्व करने वाले तेलाहुन हैले बेकेले का भारतीय मैराथन में दौड़ना कोई नई बात नहीं है। उन्होंने 2018, 2019 और 2020 में एलीट वर्ग में पदक हासिल किए थे। वह दोहा, कतर में आयोजित 2019 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 10,000 मीटर श्रेणी में 5वें स्थान पर रहे।

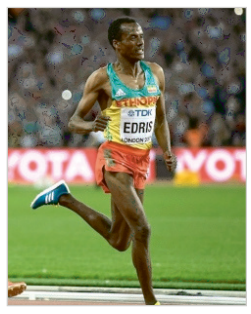

संक्षिप्त समाचार

सीएसके के कोच फ्लेमिंग बोले- 'डीआरएस' का न होना दुर्भाग्यपूर्ण, कुछ फैसले हमारे विरुद्ध हुए

मुंबई । आईपीएल रोमांच के बीच चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने उनकी पारी के शुरू में निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) की सुविधा नहीं होने को 'दुर्भाग्यपूर्ण' करार देते हुए कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियन्स के खिलाफ मैच में इस दौरान कुछ फैसले उनके खिलाफ गये। वानखेड़े स्टेडियम में शॉर्ट सर्किट की वजह से चेन्नई की पारी की पहली 10 गेंद तक डीआरएस की सुविधा उपलब्ध नहीं थी जिसका उसकी टीम को नुकसान हुआ क्योंकि इस बीच कुछ फैसले उसके खिलाफ गये। चेन्नई के फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज डेवोन कॉनवे अपने खिलाफ गए पगबाधा के फैसले को नहीं बदलवा पाये जबकि रीप्ले से लग रहा था कि डेनियल सैम्स की गेंद लेग स्टंप से बाहर निकल रही थी। रोबिन उथप्पा भी जसप्रीत बुमराह के अगले ओवर में पगबाधा आउट करार दिये गये और तब भी बल्लेबाज के बचने की संभावना दिख रही थी। फ्लेमिंग ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, 'यह थोड़ा दुर्भाग्यपूर्ण था कि उस समय ऐसा हुआ। हम थोड़ा निराश थे, लेकिन यह भी खेल का हिस्सा है। उस समय कुछ फैसले हमारे पक्ष में नहीं गये। निश्चित तौर पर यह हमारे लिये अच्छी शुरुआत नहीं थी।'' मुंबई के हाथों पांच विकेट की हार से चेन्नई की प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं भी समाप्त हो गई। फ्लेमिंग हालांकि सकारात्मक पहलुओं पर गौर करना चाहते हैं। फ्लेमिंग ने कहा, ''हमारे लिये वास्तव में कुछ सकारात्मक पहलू रहे। मुकेश (चौधरी) और सिमरजीत (सिंह) की नई गेंद से गेंदबाजी शानदार रही। ऐसे में दीपक चाहर की वापसी पर हमारे पास नयी गेंद से गेंदबाजी करने के कुछ अच्छे विकल्प रहेंगे।' उन्होंने कहा, 'हमने उतना अच्छा खेल नहीं दिखाया जैसा हमें दिखाना चाहिए था। अब हम प्रतियोगिता से बाहर हो गये हैं तो हम बाकी बचे दो मैचों में अन्य खिलाड़ियों को आजमा सकते हैं।' मुंबई के गेंदबाजी कोच शेन बांड ने पिछले कुछ मैचों में अपने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की सराहना की। बांड ने कहा, 'गेंदबाजी इकाई के रूप में पिछले चार-पांच मैचों में हमने बेहतर प्रदर्शन किया। बुमराह ने पूरे सत्र में अच्छी गेंदबाजी की लेकिन उन्हें उतने विकेट नहीं मिले जितने मिलने चाहिए थे।'

सिंधु की हार के साथ ही भारतीय महिला टीम उबेर कप से बाहर हुई

बैंकॉक । भारतीय महिला बैडमिंटन टीम थाईलैंड में जारी उबेर कप से बाहर हो गयी है। भारतीय टीम को क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड के हाथों 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। शीर्ष भारतीय खिलाड़ी सिंधु को पहले ही एकल मुकाबले में रतचानोक इंतानोन ने 21-18, 17-21, 12-21 से हराया। यह मुकाबला एक घंटे से भी कम समय तक चला। इस हार के साथ ही सिंधु का इंतानोन के खिलाफ रिकॉर्ड 4-7 हो गया है। वहीं एक अन्य मुकाबले में श्रुति मिश्रा और सिमरन सिंघी की महिला युगल जोड़ी को जोंगकोलफान किथिथाराकुल और रविंदा प्राजोंगजई के हाथों 16-21, 13-21 से हार मिली। इस प्रकार भारत 0-2 से पीछे हो गया। एक अन्य भारतीय खिलाड़ी आकर्षी कश्यप भी 42 मिनट तक चले दूसरे एकल मैच में पोर्नपावी चोचुवोंग के हाथों 16-21, 11-21 से हार कर बाहर हो गयीं। इस प्रकार थाईलैंड को 3-0 की अजेय बढ़त मिल गयी। ऐसे में बचे हुए दो मैच केवल औपचारिकता भर रह गए थे जिन्हें नहीं खेलने का फैसला किया गया। इससे पहले भारत की ही सिंधु को ग्रुप डी के अंतिम मैच में दुनिया की चौथे नंबर की कोरियाई खिलाड़ी एन सेयॉन्ग के खिलाफ सीधे गेम में 15-21 14-21 से हार मिली।

अपने समय के बेहतरीन खिलाड़ी हैं तिलक वर्मा, जल्द मिल सकता है टीम इंडिया में प्रवेश : रोहित शर्मा

मुंबई ।

तिलक वर्मा के लिए आईपीएल 2022 बेहद खास रहा है। वे मुंबई इंडियंस की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। 19 साल के इस युवा खिलाड़ी ने अपने प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। उन्होंने अंतिम मुकाबले में सीएसके के खिलाफ नाबाद 34 रन बनाए और टीम को जीत भी दिलाई। हालांकि मुंबई की टीम प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी है। मैच में सीएसके की टीम पहले खेलते हुए सिर्फ 97 रन ही बना सकी थी। जवाब में मुंबई ने लक्ष्य को 31 गेंद शेष रहते 5 विकेट पर हासिल कर लिया। यह टीम की 12 मैचों में सिर्फ तीसरी जीत है। स्टार स्पोर्ट्स पर कमेंट्री कर रहे पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा तिलक वर्मा की बल्लेबाजी से प्रभावित दिखे। चेन्नई और मुंबई के खिलाफ मैच के दौरान उन्होंने कहा कि यह युवा बल्लेबाज भविष्य का मुंबई का कप्तान है। उसने आईपीएल के मौजूदा सीजन में कमाल का खेल दिखाया है। मालूम हो कि तिलक ने अब तक 12 मैचों में 41 की औसत से 368 रन बनाए हैं। टीम का अन्य कोई बल्लेबाज 350 रन के आंकड़े को नहीं छू सका है। उन्होंने 2 अर्धशतक भी लगाया है। स्ट्राइक रेट 133 का है। सीएसके के खिलाफ जीत के बाद मुंबई के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि तिलक वर्मा जल्द टीम इंडिया की ओर से खेलते हुए दिख सकते हैं। उन्होंने कहा कि उसने कठिन परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन किया है। इतने शांत दिमाग से खेलना आसान नहीं है। वह सभी फॉर्मेट का खिलाड़ी है। उसके पास तकनीक है। उन्होंने कहा उसमें अच्छा प्रदर्शन करने की भूख है। मेरे हिसाब से वह सही रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। हम सभी की नजर उस पर है। इस मुकाबले से पहले तक तिलक वर्मा ने 26 टी20 के मुकाबले में 33 की औसत से 715 रन बनाए थे। 5 अर्धशतक लगाए थे। 75 रन की सबसे बड़ी पारी खेली है। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 140 रहा है। हैदराबाद में जन्मे तिलक ने अब तक फर्स्ट क्लास के 4 और लिस्ट-ए के 16 मुकाबले खेले हैं। फर्स्ट क्लास में उन्होंने 32 की औसत से 255 रन बनाए हैं। 2 अर्धशतक जड़ा है। वहीं लिमिटेड ओवर के फॉर्मेट में 52 की औसत से 784 रन बनाए हैं। 3 शतक और 3 अर्धशतक लगाया है।

आईपीएल में बचे हुए लीग मुकाबलों से बाहर हुए पृथ्वी

मुम्बई । दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ आईपीएल के इस सत्र में अपने बचे हुए दोनो लीग मुकाबलों में शायद ही खेल पायें। टीम के सहायक कोट शेन वॉटसन ने कहा है कि पृथ्वी अभी तक ठीक नहीं हुए हैं , ऐसे में उनके लीग स्तर के अंतिम दो मुकाबलों में खेलने की संभावना नहीं है। शॉ को बुखार के बाद से ही अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बल्लेबाज ने अंतिम बार एक मई को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेला था। वॉटसन ने कहा, 'मैं बीमारी को लेकर अधिक नहीं जानता पर उन्हें पिछले कुछ सप्ताह से लगातार बुखार है जिसके कारणों का पता नहीं चला है। इस बल्लेबाज के नहीं खेलने से टीम को नुकसान हुआ है क्योंकि वह एक कुशल युवा बल्लेबाज हैं जो कि दुनिया के सबसे अच्छे गेंदबाजों पर प्रहार करने की क्षमता रखता है। उन्होंने आगे कहा, 'उनका न होना हमारे लिए एक बड़ी क्षति है। उम्मीद है, उम्मीद है कि वह जल्द ही पूर्ण रूप से ठीक कर वापसी करेगा। ।' वहीं इससे पहले मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कहा , 'पृथ्वी को अब बाहर कर दिया गया है।' हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्हें कितने मैचों के लिए बाहर किया गया है। मैच के बाद कप्तान ऋषभ पंत से जब पूछा गया कि क्या शॉ के लिए आईपीएल समाप्त हो गया है तब वह कोई स्पष्ट बात नहीं कर पाये। कप्तान ने कहा, 'हमें उनकी कमी खलती है पर साथ ही कहा कि यह कुछ ऐसा है जिसे हम नियंत्रित नहीं कर सकते हैं।' उम्मीद है कि वह जल्द ही टीम में वापसी करेंगे पर समय सीमा के बार में अभी नहीं कहा जा सकता।

आईपीएल से बाहर हुए कमिंस

मुंबई । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को करारा झटका लगा है। उसके तेज़ गेंदबाज़ पैट कमिंस आईपीएल के इस सत्र से बाहर हो गये हैं। कमिंस इस सत्र में पांच मैच ही खेल पाये हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ उन्होंने रिकॉर्ड पारी खेली और टूर्नामेंट का सबसे तेज़ अर्धशतक लगाया। मुंबई इंडियंस केखिलाफ ही दूसरे मैच में उन्होंने 22 रन देकर तीन विकेट लिए जो इस सत्र में उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा। उन्होंने इस साल अब तक पांच मैचों में 7 विकेट लिए हैं। गेंदबाज़ी में निरंतर नहीं होने के कारण वह कम मैच ही खेल पाये हैं। केकेआर के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना समाप्त होने के साथ ही वह ऑस्ट्रेलिया की ओर से खेलने के लिए ही स्वदेश लौटे हैं। ऑस्ट्रेलिया को सबसे पहले श्रीलंका का दौरा करना है पर कमिंस को इस दौरे के लिए आराम दिय गया है। इसलिए वह इस दौरे में टी20 मुक़ाबले नहीं खेलेंगे हालांकि उन्हें श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के अलावा स्वदेश में पांच टेस्ट मैच खेलने हैं। इसके अलावा वह ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ भारत का दौरा भी करेंगे।

मुंबई इंडियन्स ने सीएसके को धोया, 8वीं बार हारकर धोनी की टीम ने बनाया शर्मनाक रिकार्ड, दूसरी बार प्लेऑफ की रेस से बाहर

मुंबई ।

क्रिकेट लीजेंड एमएस धोनी शायद आईपीएल 2022 को याद नहीं रखना चाहेंगे। सीएसके को टी20 लीग के एक मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने 5 विकेट से हरा दिया। यह टीम की 8वीं हार है। इसी के साथ धोनी की अगुआई वाली सीएसके की टीम प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है। आईपीएल के इतिहास में टीम दूसरी बार प्लेऑफ में नहीं पहुंच सकी। इससे पहले 2020 में भी टीम का प्रदर्शन खराब रहा था।

मैच में सीएसके की टीम पहले खेलते हुए 16 ओवर में सिर्फ 97 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम के 7 खिलाड़ी दहाई के आंकड़े को नहीं छू सके। जवाब में मुंबई ने लक्ष्य को 14.5 ओवर में 5 विकेट पर हासिल कर लिया। मुंबई इंडियंस टी20 लीग के 15वें सीजन के अपने शुरुआती आठों मैच हारकर पहले ही प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी है। मुंबई इंडियंस और चेन्नई की टीमें एक साथ 13 सीजन में उतरीं। यह पहला सीजन है, जब दोनों ही टीमें प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकीं। यानी इन दोनों टीमों ने एक शर्मनाक रिकॉर्ड बनाया।

मुंबई आईपीएल इतिहास की सबसे सफल टीम है। उसने 5 बार खिताब जीता है। वहीं चेन्नई की टीम 4 खिताब के साथ दूसरे नंबर पर है। चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम 2016 और 2017 में आईपीएल में नहीं उतर सकी थी। स्पाट फिक्सिंग के कारण उस पर बैन लगा था। 2016 में भी मुंबई की टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंच सकी थी। हालांकि उस सीजन में सीएसके की टीम नहीं उतरी थी। इन दोनों दिग्गज टीम के बाहर होने से टी20 लीग में नए चैंपियन की आस बढ़ गई है। अंतिम बार 2016 में आईपीएल में नया चैंपियन देखने को मिला था। तब सनराइजर्स हैदराबाद ने फाइनल में आरसीबी को 8 रन से मात दी थी।

टी20 लीग के मौजूदा सीजन में 10 टीमें उतर रही हैं। गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपर जायंट्स को पहली बार मौका मिला है। गुजरात की टीम प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। अन्य 3 जगह के लिए 7 टीमों में भिड़त है।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान पेन घरेलू टीम से भी बाहर हुए

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान टिम पेन को उनकी घरेलू टीम तस्मानिया ने भी अनुबंध नहीं दिया है। इस प्रकार पेन का क्रिकेट करियर अब समाप्त नजर आ रहा है। टिम पर पिछले साल एक महिला सहकर्मी को आपत्ति जनक संदेश और तस्वीरें भेजने के आरोप लगे थे। इस कारण उन्हें टेस्ट टीम की कप्तानी भी छोड़नी पड़ी। इसके बाद उन्होंने क्रिकेट से ब्रेक ले लिया था और वह एशेज सीरीज के लिए भी टीम में नहीं थे। उन्होंने अंतिम फर्स्ट क्लास मैच अप्रैल 2021 में खेला था। 37 साल के पेन को टीम ने कुछ दिन पहले ही सहायक कोच की भी जिम्मेदारी दी थी। पेन ने अपने करियर में 35 टेस्ट और 147 फर्स्ट क्लास के मैच खेले हैं। तस्मानिया ने तेज गेंदबाज बिली स्टेनलेक के अलावा सलामी बल्लेबाज टिम वार्ड को भी शामिल किया है। पिछले सत्र में उन्होंने टीम की ओर से सबसे अधिक 552 रन बनाए थे। उनका औसत 39 का रहा था। टीम ने उनके साथ तीन साल का करार किया है। वहीं तेज गेंदबाज पीटर सिडल एक और सत्र में टीम की ओरसे खेलते नजर आयेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मनोरंजन जगत में 10 साल पूरे करने पर अविश्वसनीय महसूस कर रहे हैं अर्जुन कपूर

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर इस बात से खुश हैं कि उन्होंने हिंदी फिल्म उद्योग में एक दशक पूरा कर लिया है। उनका कहना है कि उद्योग में 10 साल पूरे करना अविश्वसनीय लगता है जहां हर शुक्रवार को भाग्य लिखा जाता है। अर्जुन ने 2012 में इश्कजादे के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी और रातोंरात पहचान और प्रसिद्धि पा ली थी। अभिनेता कहते हैं कि मनोरंजन जगत में 10 साल पूरे करना अविश्वसनीय लगता है, जहां हर शुक्रवार को आपका भाग्य लिखा जाता है। मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे इश्कजादे जैसी पहली फिल्म मिली जिसने मुझे रातोंरात पहचान और प्रसिद्धि दिलाई। उन्होंने आगे कहा कि मैं भाग्यशाली था कि मेरी अगली कुछ फिल्मों ने मुझे सफलता और प्रशंसा दिलाई और मैं उन सभी फिल्म निर्माताओं का बहुत आभारी हूं जिन्होंने मुझे अपनी परियोजनाओं का हिस्सा बनाया है। वे मेरे करियर के निर्माता हैं और उन्होंने सिनेमा में मेरे सफर को आकार दिया है। अभिनेता का कहना है कि वह अपने शिल्प और उन परियोजनाओं के बारे में एक बेहतर और अधिक से अधिक गंभीर कलाकार बन गए, जिनसे वह जुड़ना चाहते थे। सिनेमा में मेरी यात्रा अपार सीखने की रही है। मेरी सफलताओं और असफलताओं दोनों ने मुझे जमीन से जुड़े रहना सिखाया है और मुझे स्क्रीन पर लगातार खुद को नया रूप देने के लिए प्रेरित किया है। आज, मुझे बहुत अच्छा लगता है कि मुझे एक मुख्यधारा के हिंदी फिल्म नायक के रूप में देखा जाता है साथ ही संदीप और पिंकी फरार, कुत्ते, द लेडी किलर जैसी ऑफ-सेंटर कंटेंट फॉरवर्ड फिल्मों को भी प्रमुखता से शीर्षक दिया है। अर्जुन हमेशा प्रेरणा के स्रोत बने रहने और उन पर प्यार बरसाने के लिए अपने प्रशंसकों के आभारी हैं। वे कहते हैं कि मैं एक प्रगतिशील अभिनेता हूं और मुझे पता है कि मैं कहां खड़ा हूं। इसलिए, मैं केवल और अधिक सीखने और स्क्रीन पर और अधिक करने के लिए उत्साहित हूं। मैं आभारी हूं कि मेरे प्रशंसक मेरे लिए प्रेरणा के निरंतर स्रोत रहे हैं। वे महान प्रेरक रहे हैं, लगातार मुझे मेरी असफलताओं या सफलताओं से आगे और आगे देखने के लिए कह रहे हैं। अर्जुन के पास इस साल फिल्मों का एक दिलचस्प मिश्रण है। वे कई शैलियों में काम करते हुए दिखाई देंगे। वह मोहित सूरी की एक विलेन 2, आसमान भारद्वाज की कुत्ते और अजय बहल की द लेडी किलर में नजर आएंगे।

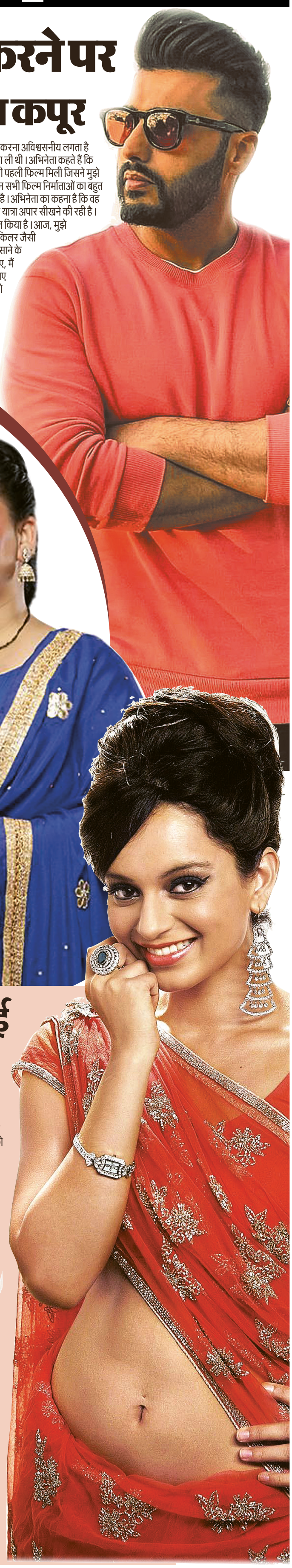

भारती ने बताया कब बनेंगी दूसरी बार मां

कॉमेडियन भारती सिंह हाल ही में प्यारे से बेटे की मां बनी हैं। वह अपने बेटे को प्यार से गोला बुलाते हैं। बेबी के जन्म के महज 12 दिन बाद ही भारती अपने काम पर वापस चली गई थीं। वहीं अब भारती सिंह ने बताया कि वह दूसरी बार कब मां बनेंगी। भारती ने कहा, बेटे को जन्म देने के बाद उन्हें ऐसा लगता है कि, उनके दो बेटे हैं, जिसमें उनके पति हर्ष लिंबाचिया भी शामिल हैं। मुझे लगता है कि, मुझे अपने नवजात शिशु के साथ मेरा सबसे अच्छा दोस्त मिल गया है। हर्ष हमेशा व्यस्त रहता है। मुझे लगता है कि, पहले मेरा एक बेटा था, अब मेरे पास दो हैं। भारती ने कहा, मैं चाहती थी, एक बेटी हो, जो घर की व्यवस्था देखे। अब मुझे चिंता है कि, मुझे घर के चारों ओर दो जोड़ी जूते और जैकेट की देखभाल करनी होगी। शायद हमें और अधिक अलमारी के साथ एक बड़ा घर देखना होगा। भारती ने मीडिया से कहा कि वो दूसरा बेबी जरूर प्लान करेंगी, लेकिन इतनी जल्दी नहीं। उन्होंने कहा, मैं भी मानती हूं कि बेटी होनी चाहिए। अभी दो साल का गैप होना चाहिए। अभी भाई है तो बहन होनी चाहिए। अगर हमारी एक बेटी होती, तो मैं कहती कि, उसका एक भाई होना चाहिए। वहीं बेटे का चेहरा दिखाने के सवाल पर भारती ने कहा, अगर यह मेरे ऊपर होता, तो मैं पहले दिन चेहरा दिखा देती। लेकिन, हमें बड़ों की बात माननी चाहिए। वह 40 दिन पूरे करने वाले हैं और मैं बहुत उत्साहित हूं। हाल ही में, हमने बच्चे के लिए एक फोटोशूट किया था और मैं जितनी जल्दी हो सके सभी तस्वीरें पोस्ट करूंगी।

अक्षय ने पृथ्वीराज के लिए 60 करोड़ फीस वसूली

एक्टर अक्षय कुमार इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म पृथ्वीराज को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। अब खबर आ रही है कि अक्षय कुमार ने इस फिल्म के लिए संजय दत्त से 12 गुना ज्यादा फीस ली है। फिल्म में अक्षय-संजय के अलावा मानुषी छिल्लर और सोनू सूद भी लीड रोल में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को 3 जून को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

अक्षय ने 60 करोड़ रुपए फीस ली

रिपोर्ट्स के मुताबिक, 300 करोड़ रुपए के बिग बजट में बनी इस फिल्म के लिए अक्षय कुमार ने 60 करोड़ रुपए फीस ली है। वहीं संजय दत्त को फिल्म के लिए 5 करोड़ रुपए फीस दी गई है। इस हिसाब से फिल्म में सम्राट पृथ्वीराज चौहान का रोल प्ले करने के लिए अक्षय ने संजय से 12 गुना ज्यादा फीस ली है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म के लिए मानुषी छिल्लर ने 1 करोड़ और सोनू सूद ने 3 करोड़ रुपए लिए हैं।

अक्षय ने शेयर किया था फिल्म का ट्रेलर

पृथ्वीराज को डॉक्टर चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने लिखा और डायरेक्ट किया है। फिल्म में साक्षी तंवर, आशुतोष राणा, ललित तिवारी और मानव विज भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषा में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कुछ दिन पहले ही फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था। फिल्म का ट्रेलर अक्षय ने सोशल मीडिया पर भी फैंस के साथ शेयर कर लिखा था, शौर्य और वीरता की अमर कहानी यह है कहानी सम्राट पृथ्वीराज चौहान की।

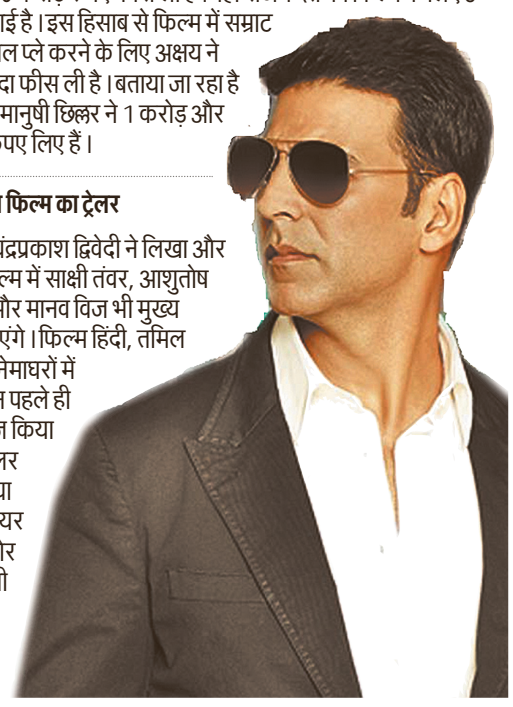

जैकलीन ने कोर्ट से मांगी विदेश जाने की इजाजत

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज ने अबू धाबी में आईफा अवॉर्ड्स के लिए दिल्ली की एक अदालत में एक अर्जी देकर 15 दिनों के लिए विदेश यात्रा की अनुमति मांगी है. उन्होंने अबू धाबी, फ्रांस और नेपाल की यात्रा करने के लिए अदालत से अनुमति मांगी है. बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस का नाम जबसे मनी लॉन्ड्रिंग केस में आया है, तभी से एक्ट्रेस सुर्खियों में बनी हुई हैं. हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सुकेश चंद्रशेखर के खिलाफ रंगदारी मामले में जैकलीन की 7.27 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है. अब एक्ट्रेस ने विदेश जाने के लिए कोर्ट में अर्जी दी है. बता दें कि मामले के सिलसिले में उनके खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी किया गया था, जिसके चलते उन्हें पिछले साल दिसंबर में विदेश यात्रा करने से रोक दिया गया था.

-विदेश यात्रा के लिए दी अर्जी

जानकारी के अनुसार बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज ने अबू धाबी में आईफा अवॉर्ड्स के लिए दिल्ली की एक अदालत में एक अर्जी देकर 15 दिनों के लिए विदेश यात्रा की अनुमति मांगी है. यही नहीं कुछ फिल्मों की शूटिंग केलिए उन्होंने अबू धाबी, फ्रांस और नेपाल की यात्रा करने के लिए भी अदालत से अनुमति मांगी है.

-महंगे गिफ्ट्स देता था सुकेश

आपको बता दें कि जबसे जैकलीन फर्नांडिस का सुकेश चंद्रशेखर संग लिंकअप की खबरें आई तब से ईडी पूरी तरह सख्त दिखाई दे रही है. सुकेश चंद्रशेखर के खिलाफ रंगदारी मामले में जैकलीन की 7.27 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है. ईडी ने स्पष्ट किया है कि अभिनेत्री सुकेश चंद्रशेखर मामले में आरोपी नहीं बल्कि एक संदिग्ध है. चूंकि अभिनेत्री और उनके परिवार के सदस्यों को सुकेश से महंगे उपहार मिले हैं, इसलिए जैकलीन को बाद में पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है. सूत्रों की मानें तो सुकेश ने जैकलीन को 5.71 करोड़ के गिफ्ट्स दिए थे. जिसमें कार, महंगे सामान, बिल्ली, घोड़ा और फंड शामिल है. जैकलीन फर्नांडिस की सुकेश के साथ बीते दिनों जैकलीन फर्नांडिस और सुकेश चंद्रशेखर की कुछ फोटोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई थी. फोटो में सुकेश चंद्रशेखर जैकलीन फर्नांडिस के साथ मिरर सेल्फी लेते हुए गाल पर किस करते हुए दिखाई दे रहा हैं. सूत्रों के मुताबिक, ठग के हाथों में जो आईफोन 12 प्रो दिख रहा है, वह वही है, जिससे सुकेश चंद्रशेखर ने इजरायली सिम कार्ड का इस्तेमाल कर इस घोटाले को अंजाम दिया था. वह जेल में उसी फोन का इस्तेमाल कर रहा था.

कंगना ने बताई शादी न होने की वजह

कंगना रनोट फिलहाल अपनी अपकमिंग फिल्म धाकड़ के प्रमोशन में बिजी हैं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में कंगना ने बताया कि उनकी शादी नहीं हो पा रही है। क्योंकि लोग उनके बारे में ऐसी अफवाहें फैला रहे हैं कि वो लोगों के साथ हमेशा लड़ती हैं। इन अफवाहों की वजह से एक्ट्रेस को शादी के लिए लड़का नहीं मिल रहा है। फिल्म में उनके को-स्टार अर्जुन रामपाल ने कंगना की क्वालिटीज के बारे में बताते हुए लड़का ढूड़नें की बात की। कंगना ने इस पर हंसते हुए रिप्लाई किया, ऐसा बिलकुल भी नहीं है। मैं असल जिंदगी में किसको मारुंगी? मैं इसलिए शादी नहीं कर पा रही, क्योंकि तुम जैसे लोग मेरे बारे में ऐसी अफवाहें फैला रहे हो। सिद्धार्थ ने आगे पूछा कि कंगना इसलिए शादी नहीं कर पा रही हैं, क्योंकि उनके बारे में ऐसा पर्सेप्शन बना हुआ है कि वो बहुत अकडू हैं। इस पर कंगना ने कहा, हां, क्योंकि मेरे बारे में अफवाहें फैली हुई हैं कि मैं लड़को की पिटाई करती हूं। अर्जुन रामपाल ने बताई कंगना की क्वालिटीज अर्जुन रामपाल भी इंटरव्यू का हिस्सा थे, उन्होंने सिद्धार्थ को मजाकिया अंदाज में कहा कि ऐसी अफवाहें फैलाना बंद करो। इसके बाद एक्टर से कंगना की गुड क्वालिटीज के बारे में पूछा गया, जिससे की लोगों को लग सके कि वो स्क्रीन पर जैसी दिखती हैं, असल जिंदगी में उससे अलग हैं। अर्जुन ने बताया, मैं सिर्फ इतना कह सकता हूं कि कंगना एक बहुत अच्छी एक्टर हैं। वो जो भी करती हैं अपना रोल प्ले करने के लिए करती हैं, लेकिन रियल लाइफ में वो ऐसी नहीं हैं। रियल लाइफ में कंगना बहुत स्वीट, लविंग, और भगवान को मानने वाली हैं।

अर्जुन रामपाल ढूंढ रहे हैं कंगना रनोट के लिए लड़का

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन रामपाल ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कंगना रनोट की तारीफ की और कहा कि वो एकदम परफेक्ट दुल्हन हैं और कमाल की एक्ट्रेस भी हैं। अर्जुन ने कहा कि वो जानते हैं कि कंगना के लिए कौन काबिल है। साथ ही उन्होंने एक्ट्रेस के लिए सही लड़का ढूंढने का प्लान बनाया है। अर्जुन ने कहा कि कंगना थोड़ा धाकड़ स्टाइल में बोल देती हैं, पर वो कमाल की इंसान हैं। अर्जुन ने कहा, कंगना परफेक्ट ब्राइड हैं, गजब की एक्टर हैं। भगवान से डरती हैं और वो योग बहुत पसंद करती हैं। जितना गंभीर उन्हें बताया जाता है, वो उतनी गंभीर या इंटेंस नहीं हैं। मैं तो ये भी बता दूंगा कि उनके काबिल कौन हैं। रजनीश घई के डायरेक्शन में बनी एक्शन-थ्रिलर फिल्म धाकड़ में कंगना के अलावा अर्जुन रामपाल, दिव्या दत्ता और शाश्वत चटर्जी भी लीड रोल में हैं। फिल्म में कंगना एजेंट अग्नि के किरदार में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म 20 मई 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। वहीं अर्जुन रामपाल की बात करें तो वो आखिरी बार सोनू सूद और जैकी श्रॉफ के साथ डायरेक्टर जेपी दत्ता की पलटन में नजर आए थे। धाकड़ के अलावा अर्जुन अब्बास मस्तान की पेंटहाउस में भी नजर आएंगे। इनके अलावा उन्होंने वेब सीरीज मनी हाइस्ट के हिंदी अडेप्टेशन थ्री मंकीज की शूटिंग भी शुरू कर दी है। जिसका डायरेक्शन अब्बास मस्तान ही करने वाले हैं।

सार समाचार

हिंसा के दौरान श्रीलंका के सांसद की मौत खुदकुशी नहीं बेरहमी से कत्ल है: पुलिस

कोलंबो। श्रीलंका के सत्तारूढ़ दल के जिस पूर्व सांसद की नितमबुवा शहर में हिंसक झड़प में मौत हो गई थी, उसने आत्महत्या नहीं की बल्कि भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला था। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पूर्व प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे-नीत श्रीलंका पोदुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) सरकार के दौरान सांसद रहे अमरकीर्ति अथुकोरला का सोमवार को एक हिंसक भीड़ से सामना हो गया था जिसके बाद उनकी मौत हो गई थी। पहले यह दावा किया गया था 57 वर्षीय अथुकोरला को सोमवार को एक भीड़ ने घेर लिया था जिसके बाद उन्होंने दो लोगों पर गोली चलाई और फिर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। इकॉनमी नेक्स्ट अखबार के अनुसार शुक्रवार को पुलिस प्रवक्ता निहाल थाल्दुवा ने कहा, 'जिस सांसद की मौत हुई, दरअसल उनकी हत्या की गई थी।' थाल्दुवा ने कहा, 'उन्हें गोली नहीं मारी गई। प्रदर्शनकारियों ने उनकी हत्या की थी। पीट-पीटकर उनकी हत्या की गई। वह भागने का प्रयास कर रहे थे लेकिन उन्हें पकड़ लिया गया और मार दिया गया। वह आत्महत्या नहीं थी।' राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने उस हिंसक झड़प की जांच करने का आदेश दिया है जिसमें अथुकोरला समेत कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई थी और लगभग 300 लोग घायल हो गए।

अमेरिका को आंख दिखने वाला तानशाह कोरोना से डरा

-पहली बार मॉस्क लगाए हुए आया नजर

लंदन । उत्तर कोरिया में कोरोना के मामले की पहली बार आधिकारिक पुष्टि हुई है। संक्रमण की पुष्टि होते ही देशभर में सख्त लॉकडाउन की घोषणा कर दी गई है। उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया के मुताबिक प्योंगयांग में कोरोना के ओमिक्रॉन के मामले का पता चला है। जिसके बाद तानाशाह किम जोंग उन जिसे सुपर पावर अमेरिका से भी डर नहीं लगा। उस कोरोना से डर लग रहा है। पूरे कोरोना काल में पहली बार किम जोंग उन मास्क नजर आए। नॉर्थ कोरिया ने माना कि उसके यहां कोविड-19 मामला सामने आया है। यह पुष्टि तब हुई है, जब दुनिया में कोरोना के 51 करोड़ केस दर्ज हो चुके हैं। दुनिया में करीब 70 लाख लोगों की मौत कोविड-19 चुकी है, यह आधिकारिक आंकड़े हैं। लेकिन नॉर्थ कोरिया में कोरोना की मौत की खबर कोरोना के दो साल गुजरने के बाद सामने आए हैं। दुनिया में कोरोना के 13 वेरिएंट मिले ,तब नॉर्थ कोरिया में कोरोना का ओमिक्रॉन वैरियंट मिला। दुनिया ने वैक्सीन बनाई लेकिन किम जोंग उन ने वैक्सीन की जगह मिसाइलें बनाई। तानाशाह किम जोंग जिन्हें आज से पहले मास्क पहने नहीं देखा गया था, हां लेकिन आज से पहले किम जोंग को घातक मिसाइल लांच करते हुए जरूर देखा गया। नॉर्थ कोरिया में कोरोना के मामले की पहली बार आधिकारिक पुष्टि हुई है। हालांकि कितने लोग संक्रमित हुए हैं इसकी अभी तक कोई जानकारी नहीं दी गई है। ओमिक्रॉन की पुष्टि के बाद हैं, राष्ट्रीय अध्यक्ष किम जोंग उन ने अधिकारियों के साथ मीटिंग की। मीटिंग में कोरोना से बचाव के साथ सख्ती लागू करने और लोगों को से इसका पालन करने को कहा। उत्तर कोरिया में कोरोना के पहले मामले की पुष्टि के बाद बुखार से पीड़ित छह लोगों की मौत से हड़कंप मच गया है। उत्तर कोरिया ने बताया कि देश में बुखार से पीड़ित छह लोगों की मौत हुई है, जिनमें से एक व्यक्ति के कोरोना के ह्यओमिक्रॉन' वैरिएंट से संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। देश में हाल में 3.5 लाख लोग बुखार से पीड़ित पाये गये हैं।

आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के दौरान 'टाइम्स स्क्वॉयर' पर तिरंगा फहराया जाएगा

वाशिंगटन । भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ का जश्न मनाने के लिए भारतीय अमेरिकियों द्वारा आयोजित राष्ट्रव्यापी 'आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के औपचारिक उद्घाटन में 15 से अधिक प्रभावशाली सांसद शामिल हुए। कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों के सैकड़ों भारतीय-अमेरिकियों ने शिरकत की। इस मौके पर सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने समुदाय के नेताओं से अपील की कि वे अमेरिकी संसद तथा अन्य निर्वाचित निकायों में और भारतीय-अमेरिकियों को चुने जाने में मदद करें। न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और न्यू इंग्लैंड' के 'फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन (एफआईए) द्वारा यूएस कैपिटल (अमेरिकी संसद) में आयोजित कार्यक्रम में फ्रैंक पालोने और शीला जैक्सन ली सहित 15 से अधिक प्रतिष्ठित सांसदों ने शिरकत की। फेडरेशन के अंकुर वैद्य ने बताया कि एफआईए स्वतंत्रता दिवस के आसपास न्यूयॉर्क में एक बड़ा समारोह करने की योजना बना रहा है और इस दौरान 'टाइम्स स्क्वॉयर' पर झंडा भी फहराया जाएगा।

महिलाओं के खिलाफ तालिबान का बड़ा फरमान, पुरुष रिश्तेदार के बिना विमान में यात्रा नहीं कर सकतीं महिलाएं

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने अफगानिस्तान की महिलाओं के खिलाफ तालिबान के हालिया दमनकारी फरमान पर चर्चा करने के लिए बृहस्पतिवार को बंद कमरे में बैठक की। इस दौरान, नॉर्वे द्वारा तैयार किए गए बयान में महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों पर प्रतिबंध लगाने वाली नीतियों को पलटने का आह्वान किया गया। उल्लेखनीय है कि अफगानिस्तान में सत्तारूढ़ तालिबान ने महिलाओं को सार्वजनिक स्थानों पर सिर से लेकर पैर तक बुर्के में ढके रहने का शनिवार को आदेश दिया। आदेश में यह भी कहा गया है कि अगर बाहर जरूरी काम नहीं है तो महिलाओं के लिए बेहतर होगा कि वे घर में ही रहें। इसके साथ ही मानवाधिकार कार्यकताओं की तालिबान द्वारा कट्टर रुख अपनाने की आशंका को बल मिला है। उल्लेखनीय है कि तालिबान ने वर्ष 1996-2001 के पिछले शासन काल में भी महिलाओं पर इसी तरह की सख्त पाबंदी लगाई थी।

रूसी आक्रमकता के खिलाफ खड़े होने को लेकर भारत के निकट संपर्क में है अमेरिका: व्हाइट हाउस

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका, रूसी आक्रामकता के खिलाफ दुनिया को एकजुट करने के प्रयासों के तहत भारत से निकट संपर्क बनाए हुए है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में बृहस्पतिवार को कहा, 'हम रूसी आक्रामकता के खिलाफ खड़े होने के लिए दुनिया को एकजुट करने के अपने प्रयासों के तहत भारत से निकट संपर्क बनाए हुए हैं। इसका अर्थ है कि लागू किए गए प्रतिबंधों का पालन और क्रियान्वयन करना।' उन्होंने बताया कि अमेरिका के उप सुरक्षा सलाहकार दिलीप सिंह ने इस संबंध में वार्ता के लिए हाल में भारत की यात्रा की थी। साकी ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'हम रूसी आक्रामकता के खिलाफ आवाज उठाने के लिए देशों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। हम पिछले 15 महीनों में कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान भारत की जरूरत के समय चिकित्सकीय आपूर्ति तथा टीके मुहैया कराने में उसके अहम साझेदार रहे हैं और हम उनके साथ इस संबंध में मिलकर काम करना जारी रखेंगे।' उन्होंने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि उन्हें विश्वास है कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन दो 'क्वाड' (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) देशों भारत तथा ऑस्ट्रेलिया की भविष्य में यात्रा करेंगे। बाइडन के जल्द ही जापान और दक्षिण कोरिया की यात्रा पर जाने की योजना है।

पुर्तगाल में वर्जिन मैरी के एक कार्यक्रम के दौरान एक कैथोलिक स्मारक में एकत्र लोग।

भारत को मजबूत विपक्ष की जरूरत है : श्री श्री रविशंकर

वाशिंगटन। आध्यात्मिक नेता श्री श्री रविशंकर ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए भारत में एक मजबूत एवं रचनात्मक विपक्ष की आवश्यकता है। 'आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन' के संस्थापक श्री श्री रविशंकर ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, 'भारत को एक मजबूत, एक रचनात्मक विपक्ष की जरूरत है। मौजूदा विपक्ष बेहद कमजोर है। विपक्ष में नेतृत्व की कमी के कारण लोकतंत्र, लोकतंत्र जैसा प्रतीत नहीं होता।' उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक देशों को एक मजबूत विपक्ष की जरूरत होती है, लेकिन भारत में इसकी कमी है। उन्होंने कहा, ह्यह्य यकीनन, पश्चिम बंगाल ने एक निष्पक्ष एवं स्वतंत्र चुनाव से दिखाया है कि कोई भी पार्टी भारत के संविधान से छेड़छाड़ नहीं कर सकती और न्यायिक तंत्र काफी मजबूत है। बहरहाल, केंद्र में मजबूत विपक्ष ना होने के कारण, एक मजबूत नेता की छवि से देश निरंकुश दिख सकता है, लेकिन ऐसा असल में है नहीं। हम एक महान लोकतांत्रिक देश हैं।' आध्यात्मिक नेता अभी दो महीने की अमेरिकी यात्रा पर हैं। इस दौरान वह कई शहरों की यात्रा कर शांति का संदेश दे रहे हैं और कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद की दुनिया में इसके बढ़ते महत्व से लोगों को अवगत करा रहे हैं। भारत को एक जीवंत लोकतंत्र और उसके चुनाव को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष करार देते हुए रविशंकर ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत विपक्षी दल की आवश्यकता है, जिसकी वर्तमान में कमी है।

नाटो में शामिल होगा फिनलैंड, भड़के पुतिन तैनात करेंगे परमाणु सेना, क्या यूक्रेन जैसी तबाही फिर देखने को मिलेगी?

वॉशिंगटन (एजेंसी)

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के बीच दोनों देशों की तरफ से तरह-तरह के हथियारों की जमकर आजमाइश हो रही है। इसी बीच 9 मई को रूस ने अपना विक्ट्री डे भी सेलिब्रेट किया। पूरी दुनिया को डर था कि रूस अपने विक्ट्री डे के दिन कुछ बड़ा धमाका कर सकता है। हालांकि कुछ ऐसा हुआ नहीं। लेकिन अब जो खबर सामने आ रही है वो पूरी दुनिया को हिला कर रख देगी। फिनलैंड और स्वीडन के उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में शामिल होने के ऐलान से अब उत्तरी यूरोप में माहौल तनावपूर्ण होता जा रहा है। फिनलैंड को रूस ने धमकी देते हुए सैन्य कार्रवाई के लिए मजबूर न करने की बात कही है। इसके साथ ही रशियन फेडरेशन के सिक्योरिटी काउंसिल के डिप्टी चेयरमैन ने परमाणु हमले की धमकी दी है।

नाटो में एंट्री के फैसले पर रूस की धमकी

रूस के विदेश मंत्री ने कहा है कि इसका अंजाम बुरा होगा। इससे पहले भी रूस की तरफ से फिनलैंड को ऐसी गलती नहीं करने की चेतावनी दी गई थी। क्रेमलिन ने चेतावनी देते हुए कहा कि उसे जवाबी कार्रवाई के तौर पर 'सैन्य-तकनीकी' कदम उठाने के लिए विवश होना पड़ेगा। रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा कि नाटो के साथ फिनलैंड का जुड़ना 'रूस-फिनलैंड संबंधों को गंभीर नुकसान पहुंचाएगा और उत्तर यूरोप में स्थिरता एवं सुरक्षा को भी प्रभावित करेगा'। वहीं रूस में ब्रिटेन के पूर्व राजदूत का दावा है कि फिनलैंड को सबक सीखाने के लिए पुतिन बाल्टिक इलाके में अपनी परमाणु सेना को और ज्यादा मजबूत कर सकते हैं।

नाटो में शामिल होगा फिनलैंड

फिनलैंड के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि नॉर्डिक देश को नाटो में सदस्यता के लिए तुरंत आवेदन करना चाहिए। फिनलैंड के राष्ट्रपति सौली नीनिस्टो ने इस सप्ताह कहा था, 'आपकी (रूस) वजह से यह हुआ है। अपने आप को शीशे में देखो।' इस घोषणा का मतलब है कि फिनलैंड ने नाटो की सदस्यता लेने का अब पूरी तरह मन बना लिया है, लेकिन आवेदन प्रक्रिया शुरू होने से पहले कुछ कार्रवाई अभी बाकी हैं। पड़ोसी देश स्वीडन भी आने वाले दिनों में नाटो में शामिल होने पर विचार कर रहा है। इस तरह के विस्तार से रूस बाल्टिक सागर और आर्कटिक में नाटो देशों से घिर जाएगा, जो पुतिन के लिए एक झटका होगा।

प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा से दोनों देशों के संबंध और मजबूत होंगे: नेपाल का विदेश मंत्रालय

काठमांडू (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेपाल यात्रा से दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंध और सदियों पुराने सामाजिक-सांस्कृतिक रिश्ते और मजबूत होंगे। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को एक बयान में यह बात कही। पड़ोसी देश के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के आमंत्रण पर मोदी नेपाल की यात्रा कर रहे हैं। मोदी 16 मई को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर गौतमबुद्ध के जन्म स्थान लुंबिनी का आधिकारिक दौरा करेंगे। लुंबिनी में दोनों देशों के नेता द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करेंगे। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में बताया गया कि इस दौरान दोनों नेता भारत-नेपाल सहयोग और आपसी हितों के मुद्दों पर एक-दूसरे से विचार साझा करेंगे। बयान में कहा गया कि, 'प्रधानमंत्री मोदी की आगामी नेपाल यात्रा से दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों और युगों पुराने सामाजिक और सांस्कृतिक संबंधों में और मजबूती आएगी।' प्रधानमंत्री देउबा अपने भारतीय समकक्ष और अतिथि प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के सम्मान में दोपहर के भोजन की मेजबानी करेंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी और देउबा पवित्र मायादेवी मंदिर में आयोजित प्रार्थना में भाग लेंगे और लुंबिनी के मठ क्षेत्र में बौद्ध संस्कृति और विरासत के लिए एक केंद्र के निर्माण की आधारशिला रखेंगे। दोनों नेता लुंबिनी में बुद्ध जयंती के शुभ अवसर पर आयोजित एक विशेष समारोह को संबोधित करेंगे। इस मौके पर नेपाल के विदेश मंत्री नारायण खडका प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करेंगे। भारत के प्रधानमंत्री के रूप में मोदी की नेपाल की यह पांचवीं यात्रा होगी।

इस्लामाबाद में अब बिना घुसे तबाही मचा सकता है ब्रह्मोस मिसाइल से लैस सुखोई

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान और चीन के खिलाफ अपनी लंबी दूरी तक मार करने वाली क्षमता में जोरदार इजाफा किया है। भारत ने सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान से ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के अपग्रेड वर्जन का बंगाल की खाड़ी में गुरुवार को सफल परीक्षण किया गया। यह नई मिसाइल पहले के 290 किमी की अपेक्षा 450 किमी तक मार कर सकती है। यह वही ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल है जिससे पाकिस्तानी राष्ट्रपति आरिफ अल्वी डरते हैं और उन्होंने पिछले दिनों खुलकर अपने इस डर को जाहिर किया था। भारत का सुखोई फाइटर जेट बिना हवा में ईंधन भरे 1500 किमी तक मार कर सकता है। इस नई ब्रह्मोस मिसाइल से लैस होने पर यह फाइटर जेट करीब 2 हजार किमी तक मार सकता है। इस तरह से अब भारतीय वायुसेना के पास जमीन और समुद्र में लंबी दूरी तक मार करने की क्षमता हासिल हो गई है। ब्रह्मोस मिसाइल की मदद से दुश्मन के बेहद अहम सैन्य ठिकानों, अंडरग्राउंड परमाणु बंकर, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, समुद्र में एयरक्राफ्ट कैरियर और युद्धपोतों को बेहद आसानी से तबाह किया जा सकता है। ब्रह्मोस मिसाइल का एक और वेरिएंट भी बनाया जा रहा है जो 800 किमी तक मार कर सकता है। यह मिसाइल आवाज की तीन गुना रफ्तार से हमला करती है। ब्रह्मोस की इसी जोरदार ताकत की वजह से पाकिस्तानी राष्ट्रपति आरिफ अल्वी डरते हैं। पिछले दिनों मिराज फाइटर जेट के पाकिस्तानी वायुसेना में 50 साल पूरा होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में पाकिस्तानी राष्ट्रपति ने कहा था कि भारत ने ब्रह्मोस-2 मिसाइल बनाई है।

भारत के साथ 'सार्थक व रचनात्मक संवाद' का माहौल नहीं है: पाकिस्तानी विदेश कार्यालय

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

पाकिस्तान ने 'सार्थक, रचनात्मक संवाद' का उचित 'माहौल' न होने के कारण भारत के साथ निकट भविष्य में किसी भी वार्ता की संभावना को खारिज कर दिया है। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता असीम इफ्तिखार ने बृहस्पतिवार को साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन के दौरान भारत के साथ संबंधों पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में यह टिप्पणी की। उनसे प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अगुवाई वाली पाकिस्तान की नयी सरकार के रुख और नयी दिल्ली में एक व्यापार मंत्री की नियुक्ति के संदर्भ में ये सवाल पूछे गए थे। इफ्तिखार ने कहा कि इस मुद्दे पर राष्ट्रीय आम सहमति है और पूर्ववर्ती सरकारों ने भारत के साथ विवादों के शांतिपूर्ण समाधान की नीति को ही अपनाया है।

उन्होंने कहा, 'कूटनीति में आप दरवाजे कभी भी बंद नहीं करते हैं।' विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ने कहा कि विवादों के कूटनीतिक समाधान की पाकिस्तान की इच्छा के बावजूद 'सार्थक, रचनात्मक संवाद का माहौल नहीं है।' मालूम हो कि भारत ने बार-बार पाकिस्तान से कहा है कि वह आंतक, शत्रुता और हिंसा से मुक्त माहौल में उसके साथ सामान्य पड़ोसी संबंध की आकांक्षा रखता है। भारत ने कहा है कि आतंकवाद और शत्रुता से मुक्त माहौल का निर्माण करने की जिम्मेदारी पाकिस्तान की है। पाकिस्तान के दो वर्ष से भी अधिक समय बाद नयी दिल्ली में अपने उच्चायोग में एक व्यापार मंत्री नियुक्त करने के निर्णय के बाद दोनों देशों के बीच वार्ता बहाल होने की उम्मीदें फिर से जग गयी हैं। बहरहाल, वाणिज्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को एक बयान में भारत की ओर व्यापार नीति में किसी भी बदलाव से मना किया। शहबाज शरीफ के पाकिस्तान का प्रधानमंत्री निर्वाचित होने के बाद उनके और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच संदेशों का आदान-प्रदान हुआ था। पाकिस्तान का प्रधानमंत्री बनने के तुरंत बाद शरीफ ने अपने भाषण में कश्मीर में अनुच्छेद 370 निरस्त किए जाने का मुद्दा उठाया था। उन्होंने भारत के साथ बेहतर संबंधों की इच्छा व्यक्त की थी किंतु इसे कश्मीर मुद्दे से जोड़ा था।

श्रीलंका के नए प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे बोले- भारत के साथ करीबी संबंधों को लेकर आशान्वित हूं

कोलंबो। (एजेंसी)

श्रीलंका के नए प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने कहा कि वह अपने कार्यकाल के दौरान भारत के साथ करीबी संबंध बनाने को लेकर आशान्वित हैं और उन्होंने देश की आर्थिक सहायता करने के लिए भारत का आभार व्यक्त किया। श्रीलंका आजादी के बाद से सबसे खराब आर्थिक संकट से गुजर रहा है। विक्रमसिंघे (73) ने देश की कर्ज से दबी अर्थव्यवस्था को स्थिर करने और राजनीतिक उथल-पुथल को खत्म करने के उद्देश्य से बृहस्पतिवार को श्रीलंका के 26वें प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली। विक्रमसिंघे ने उनके देश की भारत द्वारा की गयी आर्थिक सहायता का जिक्र करते हुए कहा, 'मैं करीबी संबंध चाहता हूं और मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करना चाहता हूं।' उनकी यह टिप्पणियां शपथ लेने के बाद गत रात यहां आयोजित एक धार्मिक समारोह में आयी। भारत ने इस साल जनवरी से लेकर अब तक श्रीलंका को तीन अरब डॉलर से अधिक का कर्ज दिया है। भारत ने बृहस्पतिवार को कहा था कि वह लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के अनुसार गठित नयी श्रीलंका सरकार के साथ काम करने को लेकर आशान्वित है तथा द्वीप राष्ट्र के लोगों के प्रति नयी दिल्ली की प्रतिबद्धता बरकरार रहेगी। यूनाटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) के 73 वर्षीय नेता विक्रमसिंघे ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली है।

देश में सोमवार को राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के बड़े भाई महिंदा राजपक्षे ने इस्तीफा दे दिया था। महिंदा ने अपने समर्थकों द्वारा सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों पर हमले को लेकर भड़की हिंसा के बाद इस्तीफा दिया था। इस हमले के बाद राजपक्षे के वफादारों के खिलाफ व्यापक पैमाने पर हिंसा हुई थी, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गयी और 200 से अधिक लोग घायल हो गए। विक्रमसिंघे ने कहा कि उनका ध्यान आर्थिक संकट से निपटने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा, 'मैं इस समस्या को सुलझाना चाहता हूं ताकि पेट्रोल, डीजल और बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।'

चंद्रमा पर इंसानी दुनिया बसाने की उम्मीद, वहां की मिट्टी में उगे सफलतापूर्वक कई पौधे

हेल्सिंकी (एजेंसी)

चांद पर जिंदगी संभव है या नहीं इसको लेकर दुनियाभर के वैज्ञानिकों ने कई रिसर्च करना शुरू कर दिया हैं।इसी बीच एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आ रही है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, चांद की मिट्टी में पौधे उगाए जा सकते हैं। बता दें कि चांद पर पहली बार पौधे उगाए भी गए हैं। फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के शोधकताओं ने पता लगाया है कि थेल क्रेस, अरेबिडोप्सिस थालियाना के पौधे चांद की मिट्टी में सफलतापूर्वक अंकुरित और विकसित हो सकते हैं। इस रिसर्च से यह बात पक्की हो गई है कि चाद पर खाना और ऑक्सीजन की आपूर्ति की जा सकती हैं। अध्ययन के सह-लेखकों में से एक रॉब फेरल ने एक बयान जारी कर बताया कि 'यह सामने आना कि चंद्रमा की मिट्टी में पौधे उगे हैं। वास्तव में चांद उपनिवेशों में खुद को स्थापित करने में सक्षम होने की दिशा में एक बड़ा कदम है।' उन्होंने कहा कि अरेबिडोप्सिस स्वादिष्ट नहीं है, लेकिन यह खाने योग्य है। यह पौधा सरसों, फूलगोभी और ब्रोकली के समान परिवार का है। इस अध्ययन में शामिल एक और रिसर्चर अन्ना-लिसा पॉल ने बताया कि, 'जो पौधे ऑक्सीडेटिव तनाव प्रतिक्रियाओं में सबसे ज्यादा और तेजी से प्रतिक्रिया दे रहे थे, वे विशेष रूप से अपोलो 11 के सैंपल से हैं और ये बैंगनी हो गए। जानकारी के लिए बता दें कि यह खोज तब की गई है जब नासा ने आर्टेमिस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में मनुष्यों को चांद पर भेजने की योजना बनाई है। रिसर्चर्स ने चांद की 12 ग्राम मिट्टी में पानी, प्रकाश और पोषक तत्व डाले थे। सभी पौधे अंकुरित हुए, कुछ अलग रंग और अलग आकार के।

मूंगफली की उन्नत खेती

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

मूंगफली भारत की मुखय महत्त्वपूर्ण तिलहनी फसल है। यह गुजरात, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडू तथा कर्नाटक राज्यों में सबसे अधिक उगाई जाती है। अन्य राज्य जैसे मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, राजस्थान तथा पंजाब में भी यह काफी महत्त्वपूर्ण फसल मानी जाने लगी है।

भूमि एवं उसकी तैयारी

मूंगफली की खेती के लिये अच्छे जल निकास वाली, भुरभुरी दोमट व बलुई दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। मिट्टी पलटने वाले हल तथा बाद में कल्टीवेटर से दो जुताई करके खेत को पाटा लगाकर समतल कर लेना चाहिए।जमीन में दीमक व विभिन्न प्रकार के कीड़ों से फसल के बचाव हेतु क्विनलफोस 1.5 प्रतिशत 25 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से अंतिम जुताई के साथ जमीन में मिला देना चाहिए।

बीज एवं बुवाई

मूंगफली की बुवाई प्रायः मानसून शुरू होने के साथ ही हो जाती है। उत्तर भारत में यह समय सामान्य रूप से 15 जून से 15 जुलाई के मध्य का होता है। कम फैलने वाली किस्मों के लिये बीज की मात्रा 75-80 कि.ग्राम. प्रति हेक्टर एवं फैलने वाली किस्मों के लिये 60-70 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर उपयोग में लेना चाहिए बुवाई के बीज निकालने के लिये स्वस्थ फलियों का चयन करना चाहिए या उनका प्रमाणित बीज ही बोना चाहिए। बोने से 10-15 दिन पहले गिरी को फलियों से अलग कर लेना चाहिए।

बीज को बोने से पहले 3 ग्राम थाइरम या 2 ग्राम मेन्कोजेब या कार्बेण्डिजिम दवा प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहिए। इससे बीजों का अंकुरण अच्छा होता है तथा प्रारम्भिक अवस्था में लगने वाले विभिन्न प्रकार के रोगों से बचाया जा सकता है। दीमक और सफेद लट से बचाव के लिये क्लोरोपायरिफास (20 ई.सी.) का 12.50 मि.ली. प्रति किलो बीज का उपचार बुवाई से पहले कर लेना चाहिए। मूंगफली को कतार में बोना चाहिए। गुच्छे वाली/कम फैलने वाली किस्मों के लिये कतार से कतार की दूरी 30 से.मी. तथा फैलने वाली किस्मों के लिये 45 से.मी.रखें। पौधों से पौधों की दूरी 15 से. मी. रखनी चाहिए। बुवाई हल के पीछे, हाथ से या सीडड्रिल द्वारा की जा सकती है। भूमि की किस्म एवं नमी की मात्रा के अनुसार बीज जमीन में 5-6 से.मी. की गहराई पर बोना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक

उर्वरकों का प्रयोग भूमि की किस्म, उसकी उर्वराशक्ति, मूंगफली की किस्म, सिंचाई की सुविधा आदि के अनुसार होता है। मूंगफली दलहन परिवार की तिलहनी फसल होने के नाते इसको सामान्य रूप से नाइट्रोजनधारी उर्वरक की आवश्यकता नहीं होती, फिर भी हल्की मिट्टी में शुरूआत की बढ़वार के लिये 15-20 किग्रा नाइट्रोजन तथा 50-60 कि.ग्रा. फास्फोरस प्रति हैक्टर के हिसाब से देना लाभप्रद होता है। उर्वरकों की पूरी मात्रा खेत की तैयारी के समय ही भूमि में मिला देना चाहिए। यदि कम्पोस्ट या गोबर की खाद उपलब्ध हो तो उसे बुवाई के 20-25 दिन पहले 5 से 10 टन प्रति हैक्टर खेत मे बिखेर कर अच्छी तरह मिला देनी चाहिए। अधिक उत्पादन के लिए अंतिम जुताई से पूर्व भूमि में 250 कि.ग्रा.जिप्सम प्रति हैक्टर के हिसाब से मिला देना चाहिए।

नीम की खल का प्रयोग

नीम की खल के प्रयोग का मूंगफली के उत्पादन में अच्छा प्रभाव पड़ता है। अंतिम जुताई के समय 400 कि.ग्रा. नीम खल प्रति हैक्टर के हिसाब से देना चाहिए। नीम की खल से दीमक का नियंत्रण हो जाता है तथा पौधों को नत्रजन तत्वों की पूर्ति हो जाती है। नीम की खल के प्रयोग से 16 से 18 प्रतिशत तक की उपज में वृद्धि, तथा दाना मोटा होने के कारण तेल प्रतिशत में भी वृद्धि हो जाती है। दक्षिण भारत के कुछ स्थानों में

अधिक उत्पादन के लिए जिप्सम भी प्रयोग में लेते हैं।

सिंचाई

मूंगफली खरीफ फसल होने के कारण इसमें सिंचाई की प्रायः आवश्यकता नहीं पड़ती। सिंचाई देना सामान्य रूप से वर्षा के वितरण पर निर्भर करता हैं फसल की बुवाई यदि जल्दी करनी हो तो एक पलेवा की आवश्यकता पड़ती है। यदि पौधों में फूल आते समय सूखे की स्थिति हो तो उस समय सिंचाई करना आवश्यक होता है। फलियों के विकास एवं गिरी बनने के समय भी भूमि में पर्याप्त नमी की आवश्यकता होती है। जिससे फलियाँ बड़ी तथा खूब भरी हुई बनें। अतः वर्षा की मात्रा के अनुरूप सिंचाई की जरूरत पड़ सकती है।

मूंगफली की फलियों का विकास जमीन के अन्दर होता है। अतः खेत में बहुत समय तक पानी भराव रहने पर फलियों के विकास तथा उपज पर बुरा असर पड़ सकता है। अतः बुवाई के समय यदि खेत समतल न हो तो बीच-बीच में कुछ मीटर की दूरी पर हल्की नालियाँ बना देना चाहिए। जिससे वर्षा का पानी खेत में बीच में नहीं रूक पाये और अनावश्यक अतिरिक्त जल वर्षा होते ही बाहर निकल जाए।

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

निराई गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण का इस फसल के उत्पादन में बड़ा ही महत्त्व है। मूंगफली के पौधे छोटे होते हैं। अतः वर्षा के मौसम में सामान्य रूप से खरपतवार से ढक जाते हैं। ये खरपतवार पौधों को बढ़ने नहीं देते। खरपतवारों से बचने के लिये कम से कम दो बार निराई गुड़ाई की आवश्यकता पड़ती है। पहली बार फूल आने के समय दूसरी बार 2-3 सप्ताह बाद जबकि पेग (नस्से) जमीन में जाने लगते हैं। इसके बाद निराई गुड़ाई नहीं करनी चाहिए। जिन खेतों में खरपतवारों की ज्यादा समस्या हो तो बुवाई के 2 दिन बाद तक पेन्डीमेथालिन नामक खरपतवारनाशी की 3 लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हैक्टर छिड़काव कर देना चाहिए।

फसल चक्र

असिंचित क्षेत्रों में सामान्य रूप से फैलने वाली किस्में ही उगाई जाती हैं जो प्रायः देर से तैयार होती है। ऐसी दशा में सामान्य रूप से एक फसल ली जाती है। परन्तु गुच्छेदार तथा शीघ्र पकने वाली किस्मों के उपयोग करने पर अब साथ में दो फसलों का उगाया जाना ज्यादा संभव हो रहा है। सिंचित क्षेत्रों में सिंचाई करके जल्दी बोई गई फसल के बाद गेहूँ की खासकर देरी से बोई जाने वाली किस्में उगाई जा सकती हैं।

रोग नियंत्रण

उगते हुए बीज का सड़न रोगः कुछ रोग उत्पन्न करने वाले कवक (एर्स्पजिलस नाइजर, एर्स्पजिलस फ्लेवस आदि) जब बीज उगने लगता है उस समय इस पर आक्रमण करते हैं। इससे बीज पत्रों, बीज पत्राधरों एवं तनों पर गोल हल्के भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं। बाद में ये धब्बे मुलायम हो जाते हैं तथा पौधे सड़ने लगते हैं और फिर सड़कर गिर जाते हैं। फलस्वरूप खेत में पौधों की संखया बहुत कम हो जाती है और जगह-जगह खेत खाली हो जाता है। खेत में पौधों की भरपूर संखया के लिए सामान्य रूप से मूंगफली के प्रमाणित बीजों को बोना चाहिए। अपने बीजों को बोने से पहले 2.5 ग्राम थाइरम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित कर लेना चाहि।

रोजेट रोग

रोजेट (गुच्छरोग) मूंगफली का एक विषाणु (वाइरस) जनित रोग है इसके प्रभाव से पौधे अति बौने रह जाते हैं साथ पत्तियों में ऊतकों का रंग पीला पड़ना प्रारम्भ हो जाता है। यह रोग सामान्य रूप से विषाणु फैलाने वाली माहूँ से फैलता है अतः इस रोग को फैलने से रोकने के लिए पौधों को जैसे ही खेत में दिखाई दें, उखाड़कर फेंक देना चाहिए। इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 3 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए।

टिक्का रोग

यह इस फसल का बड़ा भयंकर रोग है। आरम्भ में पौधे के नीचे वाली पत्तियों के ऊपरी सतह पर गहरे भूरे रंग के छोटे-छोटे गोलाकार धब्बे दिखाई पड़ते हैं ये धब्बे बाद में ऊपर की पत्तियों तथा तनों पर भी फैल जाते हैं। संक्रमण की उग्र अवस्था में पत्तियाँ सूखकर झड़ जाती हैं तथा केवल तने ही शेष रह जाते हैं।

इससे फसल की पैदावार काफी हद तक घट जाती है। यह बीमारी सर्कोस्पोरा परसोनेटा या सर्कोस्पोरा अरैडिकोला नामक कवक द्वारा उत्पन्न होती है। भूमि में जो रोगग्रसित पौधों के अवशेष रह जाते हैं उनसे यह अगले साल भी फैल जाती है इसकी रोकथाम के लिए डाइथेन एम-45 को 2 किलोग्राम एक हजार लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से दस दिनों के अन्तर पर दो-तीन छिड़काव करने चाहिए।

कीट नियंत्रण

रोमिल इल्ली

रोमिन इल्ली पत्तियों को खाकर पौधों को अंगविहीन कर देता है। पूर्ण विकसित इल्लियों पर घने भूरे बाल होते हैं। यदि इसका आक्रमण शुरू होते ही इनकी रोकथाम न की जाय तो इनसे फसल की बहुत बड़ी क्षति हो सकती है। इसकी रोकथाम के लिए आवश्यक है कि खेत में इस कीड़े के दिखते ही जगह-जगह पर बन रहे इसके अण्डों या छोटे-छोटे इल्लियों से लद रहे पौधों या पत्तियों को काटकर या तो जमीन में दबा दिया जाय या फिर उन्हें घास-फूँस के साथ जला दिया जाय। इसकी रोकथाम के लिए क्विनलफास 1 लीटर कीटनाशी दवा को 700-800 लीटर पानी में घोल बना प्रति हैक्टर छिड़काव करना चाहिए।

मूंगफली की माहु

सामान्य रूप से छोटे-छोटे भूरे रंग के कीड़े होते हैं। तथा बहुत बड़ी संखया में एकत्र होकर पौधों के रस को चूसते हैं। साथ ही वाइरस जनित रोग के फैलाने में सहायक भी होती है। इसके नियंत्रण के लिए इस रोग को फैलने से रोकने के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव कर देना चाहिए

लीफ माइनर

लीफ माइनर के प्रकोप होने पर पत्तियों पर पीले रंग के धब्बे दिखाई पड़ने लगते हैं। इसके गिडार पत्तियों में अन्दर ही अन्दर हरे भाग को खाते रहते हैं और पत्तियों पर सफेद धारियाँ सी बन जाती हैं। इसका प्यूपा भूरे लाल रंग का होता है इससे फसल की काफी हानि हो सकती हैं। मादा कीट छोटे तथा चमकीले रंग के होते हैं मुलायम तनों पर अण्डा देती है। इसकी रोकथाम के लिए इमिडाक्लोरपिड 1 मि.ली. को 1 लीटर पानी में घोल छिड़काव कर देना चाहिए।

सफेद लट

मूंगफली को बहुत ही क्षति पहुँचाने वाला कीट है। यह बहुभोजी कीट है इस कीट की ग्रव अवस्था ही फसल को काफी नुकसान पहुँचाती है। लट मुखय रूप से जड़ों एवं पत्तियों को खाते हैं जिसके फलस्वरूप पौधे सूख जाते हैं। मादा कीट मई-जून के महीनें में जमीन के अन्दर अण्डे देती है। इनमें से 8-10 दिनों के बाद लट निकल आते हैं। और इस अवस्था में जुलाई से सितम्बर-अक्टूबर तक बने रहते हैं। शीतकाल में लट जमीन में नीचे चले जाते हैं और प्यूपा फिर गर्मी व बरसात के साथ ऊपर आने लगते हैं। क्लोरोपायरिफास से बीजोपचार प्रारंभिक अवस्था में पौधों को सफेद लट से बचाता है। अधिक प्रकोप होने पर खेत में क्लोरोपायरिफास का प्रयोग करें । इसकी रोकथाम फोरेट की 25 किलोग्राम मात्रा को प्रति हैक्टर खेत में बुवाई से पहले भुरका कर की जा सकती है।

बीज उत्पादन

मूंगफली का बीज उत्पादन हेतु खेत का चयन महत्त्वपूर्ण होता है। मूंगफली के लिये ऐसे खेत चुनना चाहिए जिसमें लगातार 2-3 वर्षो से मूगंफली की खेती नहीं की गई हो भूमि में जल का अच्छा प्रबंध होना चाहिए। मूंगफली के बीज उत्पादन हेतु चुने गये खेत के चारों तरफ 15-20 मीटर तक की दूरी पर मूंगफली की फसल नहीं होनी चाहिए। बीज उत्पादन के लिये सभी आवश्यक कृषि क्रियायें जैसे खेत की तैयारी, बुवाई के लिये अच्छा बीज, उन्नत विधि द्वारा बुवाई, खाद एवं उर्वरकों का उचित प्रयोग, खरपतवारों एवं कीड़े एवं बीमारियों का उचित नियंत्रण आवश्यक है। अवांछनीय पौधों की फूल बनने से पहले एवं फसल की कटाई के पहले निकालना आवश्यक है। फसल जब अच्छी तरह पक जाय तो खेत के चारों ओर का लगभग 10 मीटर स्थान छोड़कर फसल काट लेनी चाहिए तथा सुखा लेनी चाहिए। दानों में 8-10 प्रतिशत से अधिक नमी नहीं होनी चाहिए। मूंगफली को ग्रेडिंग करने के बाद उसे कीट एवं कवक नाशी रसायनों से उपचारित करके बोरों में भर लेना चाहिए। इस प्रकार उत्पादित बीज को अगले वर्ष की बुवाई के लिये उपयोग में लिया जा सकता है।

कटाई एवं गहाई

सामान्य रूप से जब पौधे पीले रंग के हो जायें तथा अधिकांश नीचे की पत्तियाँ गिरने लगे तो तुरंत कटाई कर लेनी चाहिए। फलियों को पौधों से अलग करने के पूर्व उन्हें लगभग एक सप्ताह तक अच्छी प्रकार सुखा लेना चाहिए। फलियों को तब तक सुखाना चाहिए जब तक उनमें नमी की मात्रा 10 प्रतिशत तक न हो जायें क्योंकि अधिक नमी वाली फलियों को भंडारित करने पर उस पर बीमारियों का खासकर सफेद फंफूदी का प्रकोप हो सकता है।

उपज एवं आर्थिक लाभ

उन्नत विधियों के उपयोग करने पर मूंगफली की सिंचित क्षेत्रों में औसत उपज 20-25 क्विण्टल प्रति हेक्टर प्राप्त की जा सकती है। इसकी खेती में लगभग 25-30 हजार रुपये प्रति हेक्टर का खर्चा आता हैं। मूंगफली का भाव 30 रुपये प्रतिकिलो रहने पर 35 से 40 हजार रुपये प्रति हेक्टर का शुद्ध लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

ग्वार की उन्नतशील खेती

भूमिका

ग्वार की खेती देश के पश्चिमी भाग के शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में किसानों की आय बढ़ाने के लिए ग्वार एक अति महत्वपूर्ण फसल है। यह सूखा सहन करने के अतिरिक्त अधिक तापक्रम को भी सह लेती है। भारत में ग्वार की खेती प्रमुख रूप से राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, गुजरात व उत्तर प्रदेश में की जाती है। सब्जी वाली ग्वार की फसल से बुवाई के 55-60 दिनों बाद कच्ची फलियां तुड़ाई पर आ जाती हैं। अतः ग्वार के दानों और ग्वार चूरी को पशुओं के खाने और प्रोटीन की आपूर्ति के लिए भी प्रयोग किया जाता है। ग्वार की फसल वायुमंडलीय नाइट्रोजन का भूमि में स्थिरीकरण करती है। अतः ग्वार जमीन की ताकत बढ़ाने में भी उपयोगी है।

फसल चक्र में ग्वार के बाद ली जाने वाली फसल की उपज हमेशा बेहतर मिलती है। ग्वार खरीफ ऋतु में उगायी जाने वाली एक बहु-उपयोगी फसल है। ग्वार कम वर्षा और विपरीत परिस्थितियों वाली जलवायु में भी आसानी से उगायी जा सकती है। ग्वार की एक प्रमुख विशेषता यह भी है कि यह उन मृदाओं में आसानी से उगायी जा सकती है जहां दूसरी फसलें उगाना अत्यधिक कठिन है। अतः कम सिंचाई वाली परिस्थितियों में भी इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है। भारत विश्व में सबसे अधिक ग्वार की फसल उगाने वाला देश है। दलहनी फसलों में ग्वार का भी विशेष योगदान है। यह फसल राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात,हरियाणा प्रदेशो में ली जाती हैं।

उन्नतशील प्रजातियॉ

बुन्देल ग्वार-1, बुन्देल ग्वार-2, बुन्देल ग्वार-3, आर.जी.सी.-986, आर.जी.सी.-1002 एवं आर.जी.
सी.-1003

बुआई का समय

जुलाई के पहले पखवाड़े/या मानसून प्रारम्भ के बाद।

भूमि का चुनाव

अच्छे जलनिकास व उच्च उर्वरता वाली दोमट भूमि सर्वोत्तम रहती है। खेत में पानी का ठहराव
फसल को भारी हानि पहुँचाता है।

खेत की तैयारी

से 2-3 जुताई अथवा हैरो से करना उचित रहता है।
उर्वरक
प्रति हैक्टर 20 किग्रा नाइटरोजन, 40-60 किग्रा फास्फोरस की आवश्यकता होती है।

बीजशोधन

मृदाजनित रोगों से बचाव के लिए बीजों को 2 ग्राम थीरम व 1 ग्राम कार्वेन्डाजिम प्रति कि0ग्राम अथवा 3 ग्राम थीरम प्रति कि0ग्राम की दर से शोधित करके बुआई करें। बीजशोधन बीजोपचार से 2-3 दिन पूर्व करें।

बीजोपचार

राइजोबियम कल्चर से बीजोपचार करना फायदेमन्द रहता है।

दूरी

पंक्ति से पंक्ति - 45 सेमी (सामान्य) 30 से.मी. (देर से बुआई करने पर
पौध से पौध - 15-20 सेमी

बीजदर

15-20 किग्रा प्रति हे.।
सिंचाई एवं जल निकास
लम्बी अवधि तक वर्षा न होने पर 1-2 सिंचाई आवश्यकतानुसार।

खरपतवार नियंत्रण

खुरपी से 2-3 बार निकाई करनी चाहिए। प्रथम निकाई बोआई के 20-30 दिन के बाद एवं दूसरी 35-45 दिन के बाद करनी चाहिए। खरपतवारों की गम्भीर समस्या होने पर वैसलिन की एक कि.ग्रा. सक्रिय मात्रा को बोआई से पूर्व उपरी 10 से.मी. मृदा में अच्छी तरह मिलाने से उनका प्रभावी नियन्त्रण किया जा सकता है।

ग्वार की फसल को खरपतवारों से पूर्णतया मुक्त रखना चाहिए। सामान्यतः फसल बुवाई के 10-12 दिन बाद कई तरह के खरपतवार निकल आते हैं जिनमें मौथा, जंगली जूट, जंगली चरी (बरू) व दूब-घास प्रमुख हैं। ये खरपतवार पोषक तत्वों, नमी, सूर्य का प्रकाश व स्थान के लिए फसल से प्रतिस्पर्धा करते हैं। परिणामस्वरूप पौधे का विकास व वृद्धि ठीक से नहीं हो पाती है। अतः ग्वार की फसल में समय-समय पर निराई-गुडाई कर खरपतवारों को निकालते रहना चाहिए।

इससे पौधें की जड़ों का विकास भी अच्छा होता है तथा जड़ों में वायु संचार भी बढ़ता है। दाने वाली फसल में बेसालिन 1.0 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से खेत में बुवाई से पूर्व मृदा की ऊपरी 8 से 10 सेंमी सतह में छिड़काव कर खरपतवारों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। इसके अलावा पेंडिमिथेलीन का 3 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के दो दिन बाद छिड़काव करना चाहिए। इसके लिए 700 से 800 लीटर पानी में बना घोल एक हेक्टेयर के लिए पर्याप्त होता है।

फसल सुरक्षा

कीट नियन्त्रण

जैसिड एवं बिहार हेयरी कैटरपिलर यह मुख्य शत्रु हैं। इसके अतिरिक्त मोयला, सफेद मक्खी,
हरातैला द्वारा भी फसल को नुकसान हो सकता है।
मोनोक्रोटोफास 36 डब्ल्यूएससी (0.06 प्रतिशत) का छिड़काव एक या दो बार करें।

ब्याधि नियन्त्रण

खरीफ के मौसम में बैक्टीरियल ब्लाइट सर्वाधिक नुकसान पहुँचाने वाली बीमारी है। एल्टरनेरिया
लीफ स्पाट एवं एन्थ्रैकनोज अन्य नुकसान पहुँचाने वाली बीमारियॉ हैं। एकीकृत ब्याधि नियन्त्रण हेतु निम्न उपाय अपनाने चाहिए।
रोग प्रतिरोधी प्रजातियों का प्रयोग।
बैक्टीरियल ब्लाइट के प्रभावी नियन्त्रण हेतु 56 डिग्री से0 पर गरम पानी में 10 मिनट तक बीजोपचार करना चाहिए।
एन्थ्रैकनोज एवं एल्टरनेरिया लीफ स्पाट पर नियन्त्रण हेतु डायथेन एम-45 (0.2प्रतिशत) का 15 दिन के अन्तराल पर एक हजार लीटर पानी में 2 कि.ग्रा. सक्रिय अवयव/है. के हिसाब से छिड़काव करना चाहिए।

उपज

उन्नत विधि से खेती करने पर 10-15 कुन्तल प्रति हे0 प्राप्त होती है।

विपक्षी नेता के सवाल पर मोदी बोले- मैं अलग मिट्टी का बना हूं, आराम नहीं कर सकता

- विपक्षी नेता का प्रधानमंत्री मोदी से सवाल था- दो बार पीएम बनने के बाद अगला टारगेट क्या है

नई दिल्ली (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी साल 2019 में लगातार दूसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने थे। दो बार पीएम बनने के बाद पीएम मोदी का अगला टारगेट क्या है, ये उन्होंने खुद बताया है। दरअसल, मोदी हाल ही में भरूच में उत्कर्ष समारोह को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने विपक्ष के एक वरिष्ठ नेता से हुई बातचीत का किस्सा सुनाया। मोदी ने कहा, एक दिन विपक्ष के एक वरिष्ठ नेता मुझसे मिले। वह अक्सर राजनीति में हमारा विरोध करते थे, लेकिन मैं उनका सम्मान करता हूं। कुछ मामलों में वह मुझसे खुश नहीं थे और इसीलिए वह मुझसे मिलने आए थे। विपक्ष के नेता ने उनसे कहा, मोदी जी, आप दो बार देश के प्रधानमंत्री बन चुके हैं। अब आप और क्या चाहते हैं?' मोदी ने आगे कहा कि विपक्षी नेता का विचार था कि अगर कोई दो बार प्रधानमंत्री बन गया तो उसे सब कुछ मिल गया। मोदी ने कहा, 'मैं दूसरी मिट्टी का बना हूं। गुजरात की धरती ने इसे बनाया है। मैं किसी काम में ढील देने में विश्वास नहीं करता। जो हो गया वो हो गया, मुझे आराम करना चाहिए। ऐसा मैं नहीं सोचता हूं। मेरा सपना है संतुष्टि। मेरा सपना 100 प्रतिशत लोगों तक जनहित की योजनाओं को पहुंचाना है।

मोदी ने इस दौरान किसी नेता का जिक्र नहीं किया। हालांकि, कुछ दिनों पहले एनसीपी नेता शरद पवार ने पीएम मोदी से मुलाकात की थी। पवार ने केंद्रीय एजेंसियों द्वारा शिवसेना सांसद संजय राउत और महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजीत पवार पर कार्रवाई का मुद्दा उठाया था। पूर्व मुख्यमंत्री सचिन पायलट के होर्डिंग्स और पोस्टर अचानक गायब करा दिए गए। पीएम ने उत्कर्ष समारोह में लाभार्थियों को संबोधित करते हुए कहा था कि दिल्ली से देश की सेवा करते हुए मुझे 8 साल पूरे हो रहे हैं। ये 8 वर्ष सेवा सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहे। आज जो कुछ भी मैं कर पा रहा हूं, वो मैंने आपके बीच ही सीखा है। देश ने संकल्प लिया है शत प्रतिशत लाभार्थियों तक पहुंचने का। मैंने पहले भी कहा कि ऐसे काम कठिन होते हैं, राजनेता भी उन पर हाथ लगाने से डरते हैं, लेकिन मैं राजनीति करने के लिए नहीं, देशवासियों की सेवा करने के लिए आया हूं।

सार समाचार

भीषण गर्मी के बीच दिल्ली में पानी की किल्लत, दिल्ली ने हरियाणा को तीसरी बार भेजा आपात संदेश

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में पानी की किल्लत को रोकने के लिए हरियाणा सरकार को यमुना नदी में अतिरिक्त पानी छोड़ने संबंधी एक आपात संदेश भेजा है। दिल्ली सरकार ने हरियाणा को दो सप्ताह में तीसरी बार यह संदेश भेजा है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, ह्राहरियाणा नदी में कम पानी छोड़ रहा है जिसके चलते वजीराबाद जलाशय में जल स्तर कम होकर 671.80 फुट रह गया है, जबकि सामान्य स्तर 674.5 फुट है। दिल्ली के कई इलाकों में पानी की किल्लत हो सकती है।' भारत मौसम विज्ञान विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी के अधिकतर इलाकों में लू चलने का ह्ायेलो अलर्टह्व जारी किया है। दिल्ली सरकार ने इस संबंध में इससे पहले तीन मई और 29 अप्रैल को हरियाणा सिंचाई विभाग को पत्र लिखा था।

देश में कोरोना के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 18,604 हुई

नई दिल्ली। भारत में एक दिन में कोरोना के 2,841 नए मामले सामने आने के बाद देश में कोरोना से अब तक संक्रमित हो चुके लोगों की संख्या बढ़कर 4,31,16,254 हो गई है। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 18,604 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, भारत में संक्रमण से नौ और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,24,190 हो गई है। देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 18,604 हो गई है, जो कुल मामलों का 0.04 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 463 की कमी दर्ज की गई है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.74 प्रतिशत है। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण की दैनिक दर 0.58 प्रतिशत और साप्ताहिक दर 0.69 प्रतिशत है। देश में अभी तक कुल 4,25,73,460 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड-19 से मृत्यु दर 1.22 प्रतिशत है। वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 190.99 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं। गौरतलब है देश में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 26 जनवरी को मामले चार करोड़ के पार पहुंच गए थे।

नहीं टलेगी नीट पीजी परीक्षा सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल कोर्सेज में दाखिले के लिए होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट पीजी) 2022 को स्थगित करने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नीट पीजी 2022 को स्थगित करने के अनुरोध पर विचार नहीं किया जा सकता क्योंकि इससे मरीजों की देखभाल और डॉक्टरों के करियर पर असर पड़ेगा। कोर्ट ने कहा कि मरीजों की देखभाल सर्वोपरि है। अब नीट पीजी परीक्षा निर्धारित तिथि 21 मई को ही आयोजित होगी। शीर्ष अदालत के फैसले के बाद आज इसके एडमिट कार्डजारी किए जा सकते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि नीट पीजी की तिथि आगे बढ़ाने से जनवरी 2016 में अदालत द्वारा निर्धारित एडमिशन शेड्यूल पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा। इस शेड्यूल के मुताबिक नीट पीजी 2022 परीक्षा की प्रक्रिया पहले ही चार माह देरी से चल रही है। केंद्र ने कहा कि नीट पीजी 2023-24 परीक्षा जनवरी 2023 में तय की गई है। सरकार का प्रयास है कि पिछले 2 वर्षों के दौरान कोविड -19 के कारण पटरी से उतरा एडमिशन शेड्यूल वापस पटरी पर लाया जाए। अदालत ने केंद्र के इस तर्क को स्वीकार किया कि अस्पतालों में पहले से ही रेजिडेंट डॉक्टरों की कमी है क्योंकि इस साल पीजी डॉक्टरों के 2 बैच थे। कोर्ट ने कहा कि किसी भी राहत से मरीजों की देखभाल और डॉक्टरों की उपलब्धता पर असर पड़ेगा। यह उन 2.06 लाख डॉक्टरों के करियर को भी प्रभावित करेगा जिन्होंने इस साल नीट-पीजी 2022 के लिए पंजीकरण कराया है। सुप्रीम कोर्ट डॉक्टरों के एक समूह द्वारा दायर उस याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिसमें नीट पीजी परीक्षा को स्थगित करने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता डॉक्टरों का कहना था कि नीट पीजी 2022 की परीक्षा के दौरान ही नीट पीजी 2021 के लिए ऑनलाइन काउंसलिंग भी होगी, ऐसे में नीट पीजी 2022 को स्थगित करना चाहिए। पिछले सप्ताह वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश खन्ना ने याचिका पर तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया था। सुप्रीम कोर्ट इस पर राजी हो गया था। अधिवक्ता आशुतोष दुबे और अभिषेक चौहान के माध्यम से दाखिल याचिका में कहा गया था कि याचिकाकर्ता चिकित्सक जो देश के विभिन्न अस्पतालों में इंटर्नशिप कर रहे हैं। वे 21 मई को निर्धारित नीट-पीजी परीक्षा 2022 में शामिल होना चाहते हैं। इसमें मांग की गई थी कि नीट-पीजी 2022 परीक्षा 21 मई को आयोजित करने संबंधी आयुर्विज्ञान में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड की चार फरवरी को जारी अधिसूचना रद्द की जाए और अथवा परीक्षा का कार्यक्रम टाल दिया जाए।

दिल्ली में 63 लाखों घरों को तोड़ने की योजना बना रही भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर उनसे भाजपा शासित तीनों नगर निगमों द्वारा चलाए जा रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान के कारण राजधानी में होने वाली 'तबाही' को रोकने की अपील की है। सिसोदिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनियों, झुग्गी-बस्तियों में 63 लाख मकानों को तोड़ने की योजना बना रही है। इनमें से 60 लाख घर अनधिकृत कॉलोनियों में हैं, जबकि शेष तीन लाख ऐसे हैं जहां लोगों ने अपनी बालकनियों को बढ़ाया है या उन्हें कवर किया है। हम पता चला है कि उन्हें नोटिस भेजे गए हैं। उन्होंने कहा कि इससे राजधानी में भारी तबाही होगी। दिल्ली की लगभग 70 फीसदी आबादी बेघर हो जाएगी। आम आदमी पार्टी इस "बुलडोजर राजनीति" का कड़ा विरोध करती है।

आतंकवादी हमलों के बाद कश्मीर में बड़ा एक्शन

जम्मू। कश्मीर में बीते 24 घंटे में दो आतंकी हमलों के बाद प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। टेरर लिंक के आरोपों में तीन सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। कश्मीर यूनिवर्सिटी में केमिस्ट्री के प्रोफेसर अल्ताफ हुसैन पंडित, स्कूल एजुकेशन डिपार्टमेंट के अध्यापक मोहम्मद मकबूल हजाम और पुलिस के सिपाही गुलाम रसूल को तत्काल प्रभाव से नौकरी से हटा दिया गया है। जम्मू-कश्मीर प्रशासन के सूत्रों का कहना है कि इन सभी लोगों को आतंकियों से सांठगांठ होने के आरोप में बर्खास्त किया गया है। इससे पहले भी टेरर लिंक के आरोप में कई कर्मचारियों को हटाया गया था।

यूएनएचआरसी में भारत बोला- रूस-यूक्रेन युद्ध तत्काल खत्म हो, मदद के लिए हम तत्पर

नई दिल्ली (एजेंसी)

यूक्रेन-रूस जंग को लेकर भारत गंभीर रूप से चिंतित है मानवाधिकार परिषद की विशेष बैठक में कहा कि यूक्रेन और रूस के बीच जारी संघर्ष पर उसकी स्थिति पूरी तरह से स्थिर और सुसंगत रही है। भारत ने कहा कि वह यूक्रेन पर घटने वाले हर घटनाक्रम पर गहराई से चिंतित है। भारत ने विशेष सत्र के दौरान कहा कि भारत ने हमेशा ही हिंसा को तत्काल रूप से खत्म कर देने और आपसी शत्रुता को मिटाने की बात कही है। भारत ने मानवाधिकार की विशेष सत्र में कहा कि हमने यूक्रेनी लोगों के मनावधिकार के सम्मान और उनके संरक्षण का अह्वान किया है और साथ ही मनावधिकारों के वैश्विक प्रचारों और उनके संरक्षण के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

गौरतलब है कि रूस ने 24 फरवरी 2022 को यूक्रेन के खिलाफ सैन्य अभियान छेड़ दिया था। दोनों देशों के बीच शुरू हुए युद्ध को ढाई महीने से ज्यादा का समय बीत गया है लेकिन अब भी हालात सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। संकटग्रस्त देश से करीब 50 लाख लोग पलायन कर चुके हैं जबकि हजारों नागिरकों की मौत हो गई है। यूक्रेन ने बूचा, कीव, ओब्लास्ट जैसे शहरों में सामूहिक कब्रों की खोज की और इसका आरोपी रूस को ठहराया। इस खुलासे के बाद रूस को संयुक्त राष्ट्र मनावधिकार परिषद से बाहर कर दिया गया। हालांकि रूस के खिलाफ हुई इस वोटिंग में भारत ने हिस्सा नहीं लिया था।

गुरुवार को मानवाधिकार परिषद की विशेष बैठक के दौरान भारत के प्रतिनिधि ने कहा कि इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस, यूक्रेन समेत अन्य वैश्विक नेताओं के साथ बातचीत की और भारत की प्रतिबद्धता की बात को दोहराया है। उन्होंने कि यूक्रेन में उत्तपन्न हुई इस स्थित का स्पष्ट रूस से महिलाओं और बच्चों पर असमान रूस से प्रभाव पड़ा है। इनकी एक बड़ी संख्या है जो अपने देश से पड़ो के देश में स्थानांतरित हुई है।

भारत ने मानवाधिकार परिषद को बताया कि भारत यूक्रेन और उसके पड़ोसियों को दवाएं। उसके पड़ोसियों को मानवीय आपूर्ति, दवाएं और अन्य आवश्यक राहत सामग्री भेज रहा है। इस स्थिति का प्रभाव इस क्षेत्र से परे महसूस किया जा रहा है; तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं, खाद्यान्न और उर्वरकों की कमी है।

धर्मशाला एयरपोर्ट पर अनुराग ठाकुर का स्वागत करते पार्टी कार्यकर्ता

- धर्मशाला एयरपोर्ट पर अनुराग ठाकुर का जोरदार स्वागत

धर्मशाला (एजेंसी)

केंद्रीय सूचना, प्रसारण और खेल एवं युवा मामले मंत्री अनुराग ठाकुर का आज धर्मशाला एयरपोर्ट पर भाजपा कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया । धर्मशाला में भाजपा युवा मोरचा के कार्यक्रम के चलते तमाम नेताओं का यहां आने का सिलसिला जारी है। इसके बाद अनुराग ठाकुर चंबा रवाना हो गये।

अनुराग ठाकुर 14 मई को क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में 100 दिन शुरू योगा कार्यक्रम के अंतर्गत योग शिविर में भाग लेंगे। यह जानकारी अतिरिक्त उपायुक्त गंर्धवा राठौर ने दी। उन्होंने बताया कि पूरे देश में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पूर्व 100 दिन उल्टी गिनती योगा कार्यक्रम का शुभारंभ होना है जिसके अंतर्गत 14 मई शाम 5 से 6 बजे तक अनुराग ठाकुर इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि इस दौरान वह उपस्थित युवाओं को संबोधित भी करेंगे।

उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 100 दिनों की उल्टी गिनती एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। योग के माध्यम से 'स्वास्थ्य और भलाई के लिए जन आंदोलन' शुरू होगा। ऐसे समय में देश और दुनिया महामारी के प्रतिकूल प्रभावों से उबरने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

शरद पवार ने अलापा 'पाकिस्तान राग', बोले- पड़ोसी मुल्क के आम लोग हमारे विरोधी नहीं

मुंबई। (एजेंसी)

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार का पाकिस्तान राग सामने आया है। उन्होंने पड़ोसी मुल्क के लोगों की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि पाकिस्तान के आम लोग हमारे विरोधी नहीं हैं और वहां के अधिकांश लोग शांतिपूर्ण माहौल बनाना चाहते हैं। हालांकि कुछ लोग हैं जो नफरत फैलाते हैं।

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि मेरा व्यक्तिगत अनुभव है कि पाकिस्तान के आम लोग हमारे विरोधी नहीं हैं। जो राजनीति करना चाहते हैं और सेना की मदद से सत्ता पर नियंत्रण रखना चाहते हैं, वे संघर्ष और नफरत का पक्ष लेते हैं। लेकिन अधिकांश लोग पाकिस्तान में शांतिपूर्ण माहौल बनाना चाहते हैं।

कविता के सहारे भाजपा पर बरसे पवार

इससे पहले शरद पवार ने कविता के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि वह एक कविता की पंक्तियां पेश कर रहे हैं जो कामगार वर्ग की पीड़ा को उजागर करती हैं, लेकिन जो गलत सूचनाएं फैलाना चाहते हैं वे इसके लिए स्वतंत्र हैं। उन्होंने कहा था कि वह राठौर की कविता पत्थरवत (स्टोन-कटर) की कुछ पंक्तियां पढ़ रहे हैं।

इस कविता में मूर्तिकार कहता है कि उसने अपनी छेनी से भगवान ब्रह्मा, विष्णु और महेश की मूर्तियां बनाई हैं और उन्हें मंदिर में प्राण प्रतिष्ठित किया गया है लेकिन वह स्वंय मंदिर में नहीं जा सकता क्योंकि वह पिछड़ी जाति से है।

चिंतन शिविर में गहलोत को मिली तवज्जो पायलट गुट को लगा सियासी झटका

उदयपुर (एजेंसी)

राजस्थान के उदयपुर में कांग्रेस के तीन दिवसीय चिंतन शिविर में शामिल होने के लिए पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी आज उदयपुर पहुंच गए हैं। सीएम अशोक गहलोत समेत पार्टी के बड़े नेताओं ने राहुल गांधी का जोरदार स्वागत किया। कांग्रेस के चिंतन शिविर से संकेत मिले हैं कि सीएम अशोक गहलोत राजस्थान के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 सीएम अशोक गहलोत के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। राहुल गांधी के उदयपुर आगमन पर सीएम गहलोत को खासी तवज्जो मिली है। बस में राहुल गांधी और अशोक गहलोत एक ही सीट पर बैठक होटल के लिए रवाना हुए। पायलट गुट के लिए संदेश काफी मायने रखता है। राहुल गांधी ने सीएम गहलोत के प्रति अपनापन दिखाया है, उससे साफ संकेत है कि राजस्थान कांग्रेस में वही होगा जो सीएम अशोक गहलोत चाहेंगे। सीएम गहलोत को मिली तवज्जो को पायलट गुट के लिए सियासी तौर पर झटका माना जा रहा है। कांग्रेस आलाकमान का सीएम गहलोत पर भरोसा बरकार है। हालांकि, पायलट गुट को उम्मीद है कि राजनीति में अनिश्चितता रहती है, लेकिन संभावनाएं कभी खत्म नहीं होती है। उल्लेखनीय है कि कुछ दिनों पहले मीडिया के एक हिस्से खबरें आई थी कि पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने कांग्रेस आलाकमान से समय रहते राजस्थान सरकार में नेतृत्व परिवर्तन करने के लिए कहा है, हालांकि, कांग्रेस ने ऐसी खबरों को आधिकारिक तौर पर मनगढंत बताया था। गहलोत और पायलट राजस्थान में दो विपरित ध्रुव के तौर पर देखे जा रहे हैं। पायलट के समर्थक नेता और विधायक समय-समय पर यह मांग करते रहे हैं कि राजस्थान सरकार की कमान सचिन पायलट को सौंपी जाए। कांग्रेस के चिंतन शिविर में भाग लेन के लिए राहुल गांधी आज ट्रेन से उदयपुर पहुंचे। कांग्रेस पार्टी के करीब 74 नेता भी राहुल गांधी के साथ उदयपुर पहुंचे है। चेतक एक्सप्रेस में राहुल गांधी समेत सभी नेताओं के लिए दो डिब्बे पहले से ही तैयार किए गए थे। कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने दिल्ली से उदयपुर तक सभी स्टेशनों पर राहुल गांधी का स्वागत किया। राहुल गांधी की अगवानी के लिए सीएम अशोक गहलोत, पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट, एआईसीसी संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, प्रदेश प्रभारी अजय माकन एवं प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने जोरदार तैयारियां कर रखी थी।

हिमाचल भाजपा मंत्रियों विधायकों के टिकट काट नये चेहरों को मैदान में उतार लड़ेगी चुनाव

धर्मशाला (एजेंसी)

हिमाचल भाजपा के मौजूदा तीन मंत्रियों और कुछ विधायकों के टिकट कटने की खबर से हड़कंप मच गया है। भाजपा के कई नेता अपनी अपनी टिकट बचाने के लिये जोड तोड करने लगे हैं। जिससे हिमाचल भाजपा की सियासत गरमा गई है।

दरअसल , उत्तर प्रदेश में भी भाजपा ने कई सिटिंग विधायकों के टिकट काट कर चौंका दिया था। कुछ ऐसा ही फामूर्ला प्रदेश में भी तैयार किया जा रहा है। सत्ता विरोधी लहर से बचने के लिये तैयार किये गये फामूर्ले में कई नेता जद में आ सकते हैं।

कुछ दिन पहले जब पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने अपने हिमाचल प्रवास के दौरान कांगड़ा में भाजपा की बैठक को संबोधित करते हुये प्रदेश के नेताओं को अगले चुनावों में मौजूदा विधायकों के टिकट काटे जाने की बात कही थी, तो भाजपा नेताओं ने उनकी बात को गंभीरता से नहीं लिया था। लेकिन बदले घटनाक्रम में अब बाकायदा जिन लोगों के टिकट कटने के आसार हैं, उनके नाम सार्वजनिक होने से चुनाव लड़ने की तैयारी में जुटे नेता हैरान हैं। चूंकि पार्टी नेतृत्व ने स्पष्ट कर दिया है कि मौजूदा विधायकों में से 15 फीसदी विधायकों के टिकट उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड की तर्ज पर कट सकते हैं।

बताया जा रहा है कि नड्डा के हिमाचल दौरे के बाद भाजपा ने दो चरणों में आंतरिक सर्वे कराया गया है। जिसमें स्थानीय स्तर पर कुछ विधायकों और जय राम सरकार के काबीना मंत्रियों के खिलाफ जनता में असंतोष होने की बात कही गई है। इस रिपोर्ट के आने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने सीएम जय राम ठाकुर से बात की है। व टिकट काटे जाने की सूरत में प्रभावित होने वाले इलाकों में नये चेहरे तलाशने को कहा गया है। इसी के चलते पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह , पार्टी के हिमाचल प्रभारी अविनाश राय खन्ना और सह प्रभारी प्रदेश के विभिन्न चुनाव क्षेत्रों का लगातार दौरा कर पार्टी की स्थिति का जायजा ले रहे हैं।

बताया जा रहा है कि भाजपा के सर्वेक्षण में मंत्रियों के खिलाफ लोगों में गहरी नाराजगी की बात सामने आई है। बीते दिनों चंबा में शिक्षा मंत्री गोविंद के खिलाफ तो मुदार्बाद के नारे लगे कि कई स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति नहीं कर पाए हैं। जल शक्ति मंत्री महेंद्र सिंह को कुल्लू और ठियोग में विभिन्न मसलों से नाराजगी व्यक्त कर रोका गया और उनके खिलाफ नारेबाजी हुई। जनमंच के लिए जाते हुए ऊर्जा मंत्री सुखराम चौधरी और सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री सरवीण चौधरी को सवर्ण आयोग ने काले झंडे दिखाए।

पवन राणा के खिलाफ की गई बयानबाजी पार्टी को नागवार गुजरी है। धर्मशाला के विधायक विशाल नैहरिया का अपनी पत्नी के बीच चल रहा विवाद उनके राजनीतिक भविष्य के लिये खतरा पैदा कर रहा है। नगरोटा बगवां के विधायक के प्रति भी लोगों में नाराजगी है। ज्वाली के विधायक अर्जुन सिंह और बैजनाथ से मुल्ख राज प्रेमी की परफॉर्मेंस से पार्टी नाखुश बताई जा रही है। इसी तरह पिछला चुनाव हार चुके 23 भाजपा नेताओं के दोबारा चुनाव मैदान में उतरने को लेकर भी संशय बना हुआ है।

पार्टी जल्द ही पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल को राज्यपाल बनाने जा रही है। लिहाजा धूमल के भी बार चुनाव लड़ने की संभावना नहीं है। इसी तरह बार बार चुनाव हारने की वजह से पार्टी इस बार पूर्व भाजपा अध्यक्ष सतपाल सत्ती को चुनाव लड़ने के मूड में नहीं है। इस साल के अंत में होने वाले चुनावों के लिये भाजपा पहले ही चुनावी मोड में आ चुकी है। भाजपा नेताओं के दौरों के चलते अब टिकट कटने के दायरे में आने वाले नेता परेशान हैं, तो दूसरी ओर टिकट के चाहवान अपनी गोटियां बिठाने में मशगूल हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)